केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

ईश्वर में आस्था है तो, उलझनों में भी रास्ता हैं...

वर्ष : 16 अंक : 328 | उज्जैन, रविवार 10 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मेले और उत्सव होते हैं मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता के आधार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की आयोजकों को 5 लाख रुपये देने की घोषणा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मालवा उत्सव केवल एक मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव आज अपनी रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से देश की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवा उत्सव के उत्साहपूर्ण माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि भांगड़ा, गरबा और अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बना दिया मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। रजत जयंती वर्ष में आयोजित इस भव्य सांस्कृतिक आयोजन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

आयोजन से छोटे दुकानदारों को मिलता है मार्केट- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मालवा उत्सव जैसे आयोजन छोटे कलाकारों, हस्तशिल्पियों, दुकानदारों, ठेले एवं झूला संचालकों सहित अनेक लोगों के रोजगार और अर्थतंत्र को भी मजबूती देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों आयोजनों मालवा उत्सव और मैंगो जत्रा को सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक संस्कृति मंच के रजत जयंती वर्ष के आयोजन की सराहना करते हुए संस्था को 5 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की।

लोक नर्तकों ने पारंपरिक नृत्य कर किया स्वागत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव का कार्यक्रम स्थल पर लोक नृत्य दलों द्वारा पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में गरबा, भांगड़ा, बधाई सहित विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। उत्सव में विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, कलाकृतियों एवं मालवा सहित अन्य क्षेत्रों के लजीज व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र हैं।

देवगढ़-रत्नागिरी के हापुस आमों से महका इंदौर का मालवा बाजार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर के ग्रामीण हाट बाजार परिसर में मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मैंगो जत्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और आम उत्पादक किसानों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने आमों की विशेषताओं के बारे में जाना। तीन दिवसीय इस विशेष आयोजन में महाराष्ट्र के रत्नागिरी और देवगढ़ के प्रसिद्ध हापुस (अल्फांसो) आमों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार इस वर्ष किसान कल्याण वर्ष मना रही है। उन्होंने कहा कि देवगढ़ और रत्नागिरी के हापुस आम, जिसकी देशभर में धाक और साख है, उनका माँ अहिल्या की नगरी इंदौर में मालवा के बाजार तक पहुंचना आंतरिक एकात्मता का भी प्रतीक है।

24 आम उत्पादक किसानों को 11-11 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 24 आम उत्पादक किसानों को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। किसानों ने बताया कि वे पिछले लगभग 15 वर्षों से मैंगो जत्रा में आम लेकर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इससे किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिलता है और ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण और ताजे उत्पाद उपलब्ध होते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैंगो जत्रा जैसे आयोजन शहर की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक सहभागिता को नई पहचान देते हैं। उन्होंने कहा कि मैंगो जत्रा में उत्पादकों द्वारा सीधे ग्राहकों तक देवगढ़ और रत्नागिरी के प्रसिद्ध हापुस आम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे ग्राहकों को खेत से सीधे ताजे आम खरीदने का अवसर मिल रहा है।

मैंगो जत्रा में आम से बने आइसक्रीम, शेक, मिठाइयों और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक पहुंच रहे हैं। जत्रा में हाथों से तैयार किए गए मसाले, अचार, पापड़, आम की चटनी, आमरस, जैम, स्क्वैश, कैंडी तथा आम से बने विभिन्न खाद्य उत्पादों के स्टॉल भी लगाए गए हैं। साथ ही खादी के वस्त्र और हस्तनिर्मित उत्पाद भी बड़ी संख्या में प्रदर्शित किए गए हैं। आयोजन स्थल पर उत्पादों की खरीदारी का विशेष वातावरण देखने को मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय तटरक्षक बल में शामिल हुआ स्वदेशी गश्ती पोत अचल, समुद्री सुरक्षा होगी और मजबूत

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय समुद्री सीमा की सुरक्षा को और पुख्ता करते हुए शनिवार को फास्ट पैट्रोल वेसल (त्वरित गश्ती पोत) अचल को आधिकारिक रूप से भारतीय तटरक्षक बल में शामिल कर लिया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित यह जहाज अदम्य श्रेणी के आठ जहाजों की श्रृंखला का पांचवां जहाज है। रक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव ए. अनबरसु ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इसे सेवा में समर्पित किया। अचल का निर्माण पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है, जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक उपकरण भारतीय हैं। यह मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान की सफलता को दर्शाता है। 51 मीटर लंबा यह जहाज आधुनिक डिजाइन और दक्षता का बेजोड़ संगम है। इसे गुजरात के वाड़िनार में तैनात किया जाएगा, जहां से यह उत्तर-पश्चिम समुद्री क्षेत्र की निगरानी करेगा। इसकी तैनाती से भारत के उत्तर-पश्चिमी समुद्री तटों पर सुरक्षा और चौकसी और अधिक सुदृढ़ होगी। कमांडेंट नवीन कुमार के नेतृत्व में पांच अधिकारियों और 34 कर्मियों का दल इस पर तैनात रहेगा। तकनीकी रूप से अचल बेहद शक्तिशाली है। यह जहाज तीन हजार किलोवाट के दो डीजल इंजनों द्वारा संचालित है, जो इसे 27 समुद्री मील की अधिकतम गति प्रदान करते हैं। इसकी परिचालन क्षमता 1,500 समुद्री मील है, जिससे यह लंबे समय तक समुद्र में टिक सकता है। सुरक्षा के लिए इसमें 30 एमएम सीआरएन-91 गन और दो 12.7 एमएम रिमोट-कंट्रोल गन लगी हैं।

आतंकी हमले की धमकी के बाद दिल्ली बीजेपी मुख्यालय की बढ़ी सुरक्षा

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के केंद्रीय कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था में आतंकी धमकी मिलने के बाद वृद्धि कर दी गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील इलाके में अतिरिक्त जवान तैनात कर दिए हैं। कार्यालय के आसपास बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है और सीसीटीवी निगरानी को भी सख्त कर दिया गया है। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि एक कारण यह भी है कि बंगाल में शपथग्रहण के बाद यहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि विपक्ष यहां पर प्रदर्शन न कर सके। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मिली खुफिया जानकारी में भाजपा कार्यालय को निशाना बनाने की संभावना जताई गई थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत सजग हो गईं। इस दौरान बीजेपी कार्यालय में आने-जाने वाले सभी लोगों की चेकिंग अब और अधिक सख्त कर दी गई है। आसपास के इलाकों में भी गश्त बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि धमकी की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा के सभी पहलुओं की समीक्षा की जा रही है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल की तैनाती की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में सुरक्षा इनपुट्स के आधार पर आतंकी अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद भाजपा के मुख्यालय और आसपास की सरकारी इमारतों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। एजेंसियों को आशंका है कि डीडीयू मार्ग स्थित कार्यालयों को आत्मघाती हमले, कार बम, गोलीबारी और आईईडी के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि बंगाल में शपथग्रहण को ध्यान में रखकर पुलिस बैरिकेड लगाकर पहले की तुलना में अधिक पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं ताकि विपक्ष यहां प्रदर्शन न कर सके।

कर्नाटक में आवारा कुत्ते का खौफनाक हमला, पालने में सो रहे चार महीने के मासूम को नोच-नोचकर मारा

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक के बीदर जिले में एक आवारा कुत्ते ने घर में सो रहे चार महीने के मासूम बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और गुस्से का माहौल है।

पुलिस के अनुसार, बच्चे के माता-पिता उसे घर के अंदर पालने में सुलाकर बाहर गए थे। बताया जा रहा है कि घर का दरवाजा खुला रह गया था।इसी दौरान एक आवारा कुत्ता घर के अंदर घुस आया और पालने में सो रहे मासूम पर हमला कर दिया।

डॉक्टरों ने मृत घोषित किया- कुत्ते ने बच्चे के शरीर के कई हिस्सों को बुरी तरह काट डाला। मासूम की चीख सुनकर माता-पिता घबराकर अंदर पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। बच्चा खून से लथपथ हालत में पड़ा था। आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जन सुरक्षा योजनाओं के तहत 25 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा दावों का निपटारा, वित्त मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) जैसी जन सुरक्षा योजनाओं के तहत 2015 में शुरुआत से अब तक करीब 25,160 करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ मई 2015 को पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की थी। इन जन सुरक्षा योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के साथ सभी को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। इन योजनाओं की 11वीं वर्षगांठ पर वित्त मंत्री ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत अब तक क्रमशः 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुकते हैं।वित्त मंत्री ने बताया कि पीएमजेजेबीवाई के तहत अब तक 10.7 लाख से अधिक परिवारों के लिए 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के दावों का निपटारा किया जा चुका है।

इसी तरह, पीएमएसबीवाई के तहत 1.84 लाख से अधिक परिवारों के लिए करीब 3,660 करोड़ रुपये के दावों का निपटारा किया गया है। उन्होंने इन जनसुरक्षा योजनाओं की सफलता के लिए बैंकों और बीमा कंपनियों के अधिकारियों का आभार जताया। 29 अप्रैल तक पीएमजेजेबीवाई में 12.72 करोड़ और पीएमएसबीवाई में 27.45 करोड़ महिलाओं का नामांकन हो चुका है। अप्रैल 2025 तक एपीवाई में 7.66 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं।क्या है योजनापीएमजेजेबीवाई- इस योजना में 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर जीवन कवर दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, हत्या के आरोपी को नहीं मिलेगा पीड़ित की संपत्ति में हिस्सा

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि किसी व्यक्ति की हत्या करने वाले या हत्या के लिए उकसाने वाले को पीड़ित की संपत्ति विरासत में नहीं मिल सकती है।

जस्टिस जेबी पार्डीवाला और आर महादेवन की पीठ ने स्पष्ट किया कि यह नियम तब भी लागू होगा जब मृतक ने वसीयत नहीं छोड़ी हो और तब भी, जब वसीयत बनाई गई हो। मुकदमा जारी रहने पर भी यह रोक लागू रहेगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वसीयत के बिना उत्तराधिकार व्यक्तिगत कानून के नियमों के अनुसार होता है, जबकि वसीयत के माध्यम से उत्तराधिकार तब लागू होता है, जब संपत्ति वसीयत के माध्यम से दी जाती है। यदि किसी व्यक्ति पर उस इंसान की हत्या का आरोप हो, जिसकी संपत्ति में वह हिस्सा मांग रहा है, तो उसे उस संपत्ति पर अधिकार जताने का हक नहीं मिलेगा।

यह रोक केवल हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 के तहत ही नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों के आधार पर भी लागू होती है। यदि इस बात का प्रबल संकेत है कि अपराध घटित हुआ है, तो दीवानी कार्यवाही में पुख्ता सुबूत अनिवार्य नहीं है।

केरलम में पुलिस स्टेशन से चोरी हुई पुलिस की गाड़ी, ढाबे पर लोगों की सतर्कता से आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम के कन्नूर में एक व्यक्ति ने पुलिस की ही गाड़ी चुरा ली। उसने यह चोरी थाना परिसर से की। उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान हमसाथ के रूप में हुई है, जो त्रिशूर का रहने वाला है।

आरोपित शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात कन्नूर के साइबर पुलिस स्टेशन परिसर में घुस गया। इधर-उधर घूमने के बाद थाने में खड़ा वाहन लेकर फरार हो गया। आरोपित उसे लेकर एक पेट्रोल पंप पर पहुंचा, जहां पुलिस गाड़ियां अक्सर ईंधन भरवाती हैं। बिना भुगतान किए गाड़ी में ईंधन भरवाने के बाद वह पास के एक ढाबे पर चला गया। ढाबे पर मौजूद लोगों को शक हुआ और उन्होंने कन्नूर नगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची।

हरियाणा में मनोहर लाल से बंगाल में सुवेंदु अधिकारी तक, 2014 में मोदी के पीएम बनने के बाद 9 राज्यों में CM बने BJP के नए चेहरे

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि नौ राज्यों में भाजपा के नए चेहरे मुख्यमंत्री के तौर पर सत्ता के शिखर पर पहुंचे हैं। बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के बाद सुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री बने।

इस राजनीतिक पैटर्न की शुरुआत 2014 में हरियाणा और महाराष्ट्र से हुई थी। इसके बाद असम (2016), अरुणाचल प्रदेश (2016), मणिपुर (2017), त्रिपुरा (2018), ओडिशा (2024) और बिहार (2026) में भाजपा के नए चेहरों ने मुख्यमंत्री पद संभाला।

हरियाणा से हुई शुरुआत- हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की थी। वहीं महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, हालांकि सरकार महायुति गठबंधन के साथ बनाई गई। इसके बाद भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपना विस्तार किया। 2016 में पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव जीता, जहां सर्बानंद सोनोवाल भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बने। इसके बाद भाजपा ने असम में अगले दो विधानसभा चुनावों में भी अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा, जिसमें इस वर्ष अप्रैल में हुआ विधानसभा चुनाव भी शामिल है।

2016 में भाजपा ने पहली बार अरुणाचल प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। जुलाई 2016 में कांग्रेस नेता पेमा खांडू ने राजनीतिक संकट के बीच मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन सितंबर में वह कांग्रेस विधायकों के साथ भाजपा की सहयोगी पीपुल्स पार्टी आफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गए।

इसके बाद दिसंबर 2016 में खांडू ने 33 विधायकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। इससे भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और राज्य में पहली बार पार्टी का शासन स्थापित हुआ। हालांकि, इससे पहले 2003 में भाजपा कुछ समय के लिए गेगांग अपांग के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश की सत्ता में रही थी।

अपांग ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था, लेकिन 44 दिन बाद ही वह वापस कांग्रेस में लौट गए थे।

2017 में मणिपुर में पहली बार बनी बीजेपी सरकार- 2017 में भाजपा ने पहली बार मणिपुर में भी सरकार बनाई। पार्टी ने नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी), नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) और अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन कर एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाया।

हंटावायरस का भारत में खतरा नहीं, स्पेन की ओर बढ़ा प्रभावित क्रुज शिप; 2 भारतीय यात्री भी सवार

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुनिया के कई देशों में हंटावायरस संक्रमण को लेकर हड़कंप मच गया है। हंटावायरस से प्रभावित एक क्रूज शिप के स्पेन के कैनरी द्वीप की ओर बढ़ रहा है। इस शिप पर दो भारतीय यात्री भी सवार हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि इन दोनों भारतीय यात्रियों में फिलहाल संक्रमण के कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, शिप में सवार स्पेन जा रहे दोनों भारतीय यात्री निगरानी में रखे गए हैं और अब तक उनमें संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं।

भारत में नहीं है खतरा- इस बीच भारत सरकार ने देश में हंटावायरस से किसी के खतरे की आशंका को खारिज किया है। आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) के डायरेक्टर डॉ. नवीन कुमार के अनुसार, भारत में सामुदायिक संक्रमण का कोई खतरा नहीं है, क्योंकि अभी तक इसका कोई सबूत नहीं मिला है।

इधर अमेरिका द्वारा इसे लेवल-3 आपात स्थिति घोषित किए जाने के बाद स्पेनिश एजेंसियां युद्धस्तर पर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने और उन्हें आइसोलेट करने की तैयारियों में जुट गई हैं। जहाज में 140 से अधिक यात्री और क्रू मेंबर्स सवार हैं।

जानकारी के अनुसार, यह जहाज शनिवार या रविवार को वेस्ट अफ्रीका के तट के पास स्थित स्पेनिश द्वीप टेनेरिफ पहुंच सकता है। हेल्थ अधिकारियों के अनुसार, जहाज पहुंचने के बाद यहां बहुत सावधानी और चरणबद्ध तरीके से यात्रियों को सुरिक्षित उतारा जाएगा।

रतलाम- चित्तौड़गढ़ रेलखंड पूर्ण रूप से दोहरीकृत, मंदसौर दलौदा सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण सफल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत नीमचङ्करतलाम दोहरीकरण परियोजना के तहत मंदसौरङ्कदलौदा रेलखंड के नवीन दोहरीकृत सेक्शन का रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। लगभग 14 किलोमीटर लंबे इस खंड के निरीक्षण और गति परीक्षण के सफल रहने के बाद अब रतलामङ्कचित्तौड़गढ़ रेलखंड पूर्ण रूप से दोहरीकृत रेलमार्ग बन गया है।

पश्चिम परिमंडल के रेल संरक्षा आयुक्त ई. श्रीनिवास ने 8 मई 2026 को मंदसौरङ्कदलौदा रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान नई रेललाइन पर बनाए गए पुलों, रेलवे ट्रैक, ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई), सिग्नलिंग प्रणाली और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से परीक्षण किया गया। इससे पहले 6 मई को शिवना ब्रिज का भी गहन निरीक्षण किया गया था।

निरीक्षण के बाद विशेष निरीक्षण यान को करीब 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाकर ट्रैक की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच की गई। सभी परीक्षण संतोषजनक पाए जाने पर सीआरएस ने इस दोहरीकृत रेलखंड पर यात्री और मालगाड़ियों के संचालन की स्वीकृति प्रदान कर दी।

मुकेश कुमार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस परियोजना के पूरा होने से नीमचङ्करतलाम रेलखंड की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। दोहरीकरण के बाद ट्रेनों की संख्या और गति बढ़ाई जा सकेगी, जिससे यात्रियों का समय बचेगा और रेल संचालन अधिक सुगम एवं व्यवस्थित होगा। सिंगल लाइन के कारण होने वाली क्रॉसिंग और ट्रेनों के अनावश्यक ठहराव की समस्या में भी कमी आएगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। विशेष रूप से सीमेंट उद्योग और अन्य औद्योगिक इकाइयों के लिए माल परिवहन अधिक तेज और सुगम हो सकेगा। इसके साथ ही ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

इंदौर के ष्ट21 और मल्हार मॉल में पुलिस ने किया सिक्योरिटी ऑडिट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस ने शहर में अपराध नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा को लेकर लगातार सख्ती बढ़ा दी है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर थाना विजयनगर पुलिस ने क्षेत्र के प्रमुख मॉल ष्ट21 और मल्हार मॉल में विस्तृत सिक्योरिटी ऑडिट किया। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-02 अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में की गई।

एसीपी विजयनगर और थाना प्रभारी विजयनगर के नेतृत्व में 'विजय पुलिस टीम' ने मॉल परिसर की सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा कर्मियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में सिक्योरिटी स्टाफ को पुलिस के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा कर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों और वस्तुओं की पहचान करने के तरीके बताए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए।

मॉल परिसर में इमरजेंसी नंबर भी प्रदर्शित करवाए गए और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सूचना संबंधी पर्चे चस्पा किए गए। पुलिस का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य मॉल परिसर को अधिक सुरक्षित बनाना और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

इंदौर में आपदा पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यशाला सम्पन्न, 100 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के होलकर विज्ञान महाविद्यालय स्थित यशवंत सभागार में आज ÷भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम÷ के अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन कार्यशाला सम्पन्न हुई। सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस आयोजन में विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों से आए 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को भूकंप, रेल दुर्घटना, सर्पदंश एवं अग्निकांड जैसी आपदाओं से बचाव और राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्लाटून कमांडर रोहन रायकवार, सुमित खरे एवं निलेश डामोर ने व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लू एवं हीट स्ट्रोक से बचाव के उपायों पर भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन उपकरणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कर उनकी व्यावहारिक समझ को और अधिक मजबूत बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन स्ष्ठश्वक्रस्न जिला कमांडेंट श्री राजेश जैन के मार्गदर्शन में हुआ। वहीं जिला आपदा प्रबंधन प्रभारी श्री चरणजीत सिंह हुड्डा (डिप्टी कलेक्टर इंदौर) के सतत मार्गदर्शन ने आयोजन को प्रशासनिक मजबूती प्रदान की। होलकर विज्ञान महाविद्यालय के स्टाफ ने भी आयोजन को सफल बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। संवाद, प्रशिक्षण, प्रत्यक्ष प्रदर्शन और प्रशासनिक समन्वय से परिपूर्ण यह कार्यशाला इंदौर जिले में आपदा पूर्व तैयारी एवं क्षमतावर्धन की दिशा में एक अनुकरणीय पहल बनकर सामने आई।

इंदौर में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ी धमकी मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्राइम ब्रांच इंदौर ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर व्यापारियों को धमकी देने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी सचिन उर्फ वेद प्रकाश शर्मा को गिरफ्तार किया है, जिसने पूछताछ में मुख्य आरोपी राजपाल चंद्रावत और कुलदीप चौहान की मदद करना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार शहर के व्यवसायी विवेक दम्मानी, चेतन सिंह पवार और कुंवर सिंह भूरिया को धमकी दिए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की एसआईटी लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी राजपाल चंद्रावत से पूछताछ के आधार पर सचिन शर्मा की भूमिका सामने आई थी।

जांच में पता चला कि आरोपी सचिन ने अवैध लाभ कमाने की मंशा से फरियादियों के घर, ऑफिस और प्रॉपर्टी की रेकी कर उनकी गतिविधियों और लोकेशन संबंधी जानकारी जुटाई थी। यह जानकारी आरोपी राजपाल चंद्रावत को उपलब्ध कराई गई, जिसे बाद में सिग्नल एप के माध्यम से हैरी बॉक्सर तक पहुंचाया गया। पुलिस ने साइबर तकनीक और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी को ट्रेस कर गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना अपराध शाखा में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले में पूछताछ जारी है और पुलिस को जांच में कई अन्य बड़े खुलासे होने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पूर्व में सोनू उर्फ रितेश खंगार को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

इंदौर में ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता से टला बड़ा हादसा, नशे में धुत ट्रैक्टर चालक पकड़ा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर ट्रैफिक पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से नवलखा चौराहा पर एक संभावित बड़ा सड़क हादसा टल गया। शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस लगातार प्रमुख चौराहों पर मुस्तैदी से ड्यूटी कर रही है। इसी दौरान नवलखा चौराहा पर तैनात पुलिस टीम ने एक ट्रैक्टर चालक को संदिग्ध तरीके से वाहन चलाते हुए देखा। चालक ट्रैक्टर को लहराते हुए चला रहा था, जिससे सड़क पर दुर्घटना की आशंका बन रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एएसआई अनिल चौहान और उनकी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर को रुकवाया। पूछताछ के दौरान चालक अत्यधिक नशे की हालत में पाया गया। ट्रैक्टर में मौजूद अन्य व्यक्ति भी शराब के नशे में थे। इसके बाद यातायात पुलिस ने तत्काल थाना भवरकुआ थाना को सूचना दी और चालक सहित ट्रैक्टर को आगे की वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें, क्योंकि यह न केवल चालक बल्कि अन्य लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है।

इंदौर में खुले में कचरा फेंकने पर मयूर मिरर कंपनी पर 35 हजार का जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम की स्वच्छता टीम ने सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र में विशेष निरीक्षण अभियान चलाकर खुले में कचरा फेंकने पर मयूर मिरर कंपनी पर 35 हजार रुपए का स्पॉट फाइन लगाया।

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर अपर आयुक्त प्रखर सिंह के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान सुपर कॉरिडोर सर्विस रोड पर बड़ी मात्रा में कचरा फैला हुआ मिला। स्वच्छता टीम ने मौके पर जांच की तो कचरे में मिले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह कचरा मयूर मिरर कंपनी का पाया गया। स्वच्छता नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए सीएसआई सत्येंद्र सिंह तोमर ने कंपनी पर 35 हजार रुपए का स्पॉट फाइन लगाया। निगम अधिकारियों ने संबंधित कंपनी को चेतावनी देते हुए भविष्य में निर्धारित स्थान पर ही कचरा निष्पादन करने और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं फैलाने के निर्देश दिए।

इंदौर में हॉट स्पॉट चेकिंग के दौरान छत्रीपुरा पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छत्रीपुरा थाना पुलिस ने हॉट स्पॉट चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 168 बीयर केन, कुल 84 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जिसकी कीमत करीब 23 हजार 520 रुपए बताई गई है।

शहर में अवैध शराब और मादक पदार्थों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-04 सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दिशेष अग्रवाल एवं सहायक पुलिस आयुक्त सराफा विजय तिवारी के मार्गदर्शन में थाना छत्रीपुरा पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया।

पुलिस टीम गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र में संदिग्धों की जांच कर रही थी, तभी एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके बैग से बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान अंकित सिसोदिया के रूप में हुई, जो देपालपुर क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विकास और प्रगति की बुनियाद है शिक्षा - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में वृहद स्तर पर कार्यक्रम किए जा रहे है। विकास और प्रगति की बुनियाद है शिक्षा। शिक्षा से समाज में बड़ा बदलाव आ रहा है। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट आज इंदौर के अभिनव कला समाज में इंदौर लेखिका संघ द्वारा आयोजित सम्मान एवं संवाद समारोह में अपना संबोधन दे रहे थे। इस मौके पर मंत्री श्री सिलावट ने विदेशी धरती पर साहित्य का परचम फहराने वाले मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे का शाल, श्रीफल और अभिनन्दन पत्र प्रदान कर सम्मान किया। कार्यक्रम में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की अध्यक्ष डॉ. सोनाली सिंह नरगुंदे, स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री प्रवीण खारीवाल एवं इंदौर लेखिका संघ की अध्यक्ष डॉ. स्वाति तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर के अध्यक्ष श्री अरविंद जवलेकर ने की। कार्यक्रम में मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने विदेश में पुरस्कार प्राप्त कर इंदौर ही नहीं प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। ऐसे व्यक्तित्व से हमको प्रेरणा लेना चाहिए।

इंदौर में मदर्स डे पर निकली चलो मम्मा वॉकथॉन, जल संरक्षण का दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मदर्स डे के अवसर पर इंदौर नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत स्वच्छता और जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता के उद्देश्य से चलो मम्मा वॉकथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुष्यमित्र भार्गव और क्षितिज सिंघल ने नेहरू स्टेडियम से किया। इस आयोजन में शहर के 25 से अधिक संगठनों की 800 से ज्यादा महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकथॉन नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर डेली कॉलेज मार्ग से होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने महिलाओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

महापौर ने कहा कि चलो मम्मा शब्द में जहां मातृत्व का स्नेह है, वहीं समाज को जागरूक करने का संदेश भी छिपा है। उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती आबादी और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए हर नागरिक को जल संरक्षण के प्रति गंभीर होना होगा। उन्होंने लोगों से स्वच्छता और जल संरक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील भी की।

सांसद श्री लालवानी और विधायक श्री शुक्ला ने एमवाय अस्पताल में सीटी स्कैन एण्ड एमआरआई सेंटर का किया शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर से बेहतर किया जा रहा है। देश में अब सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और एम्स की भी संख्या बढ़ाई जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ बड़ी संख्या में नागरिकों को मिल रहा है। सांसद श्री लालवानी आज शासकीय महाराज यशवंतराव चिकित्सालय इंदौर के रेडियोलॉजी विभाग में आयोजित अत्याधुनिक सीटी स्कैन एण्ड एमआरआई सेन्टर के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधायक श्री गोलू शुक्ला, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव एवं रेडियोडायग्नोसिस विभागाध्यक्ष डॉ. अलका अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थी।

कार्यक्रम में सांसद श्री लालवानी ने कहा कि एमवाय अस्पताल में सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन के लगने से दूर दराज अंचल से आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। सड़क हादसों में घायल मरीजों को शीघ्र उपचार मिलेगा। अब उन्हें जांच के लिए दूसरे अस्पतालों में जाना नहीं पड़ेगा। श्री लालवानी ने कहा कि एमवाय अस्पताल में हेड इंजरी के उपचार के लिए मरीज दूर-दूर से आते है, ऐसे मरीजों के लिए सीटी स्कैन एंड एमआरआई सेन्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विधायक श्री गोलू शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के प्रयासों से इंदौर के एमवाय अस्पताल को ये दोनों आधुनिकतम मशीनें मिली है। हमारी कोशिश रहेगी कि इस अस्पताल को बेरिएटिक सर्जरी की भी बेहतर सुविधा मिले।

कार्यक्रम में डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि एमवाय अस्पताल में उच्च स्तर के अनुभवी विशेषज्ञों का होना इंदौर के लिए ही नहीं बल्कि प्रदेश और देश के लिए गौरव की बात है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में स्नातक और स्नातकोत्तर की सीटें बढ़ने का लाभ प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर होगी।

इंदौर में आयुक्त ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शुक्रवार सुबह टिगरिया बादशाह, प्रेसिडेंट पार्क और स्कीम नंबर 140 क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री वैभव देवलासे, जोनल अधिकारी धीरेंद्र व्यास सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, कम्युनिटी टॉयलेट, कचरा प्रबंधन, कंपोस्ट पीट और अन्य स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा कचरा संग्रहण कार्य समयबद्ध तरीके से किया जाए। सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए।

टिगरिया बादशाह स्थित शासकीय स्कूल परिसर में भी आयुक्त ने साफ-सफाई, शौचालयों की स्थिति और विद्यार्थियों को उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल परिसर में नियमित सफाई और बेहतर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए।

इसके अलावा प्रेसिडेंट पार्क और स्कीम नंबर 140 क्षेत्र में सीटीपीटी की सफाई, पानी की उपलब्धता और रखरखाव व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि शहरवासियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है तथा इसमें लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर का परिषद भवन देखकर लगा जैसे विधानसभा में हूं : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हरविंद्र कल्याण ने इंदौर को स्वच्छता, सुशासन और सशक्त शहरी प्रशासन का राष्ट्रीय मॉडल बताते हुए कहा कि नगर निगम के अटल परिषद सदन को देखकर उन्हें हरियाणा विधानसभा जैसा अनुभव हुआ। उन्होंने पुष्यमित्र भार्गव के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें ऊर्जावान और दूरदर्शी जनप्रतिनिधि बताया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष शुक्रवार को इंदौर प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने इंदौर नगर निगम के नव-निर्मित अटल परिषद सदन का अवलोकन किया और इंदौर के स्वच्छता मॉडल तथा नवाचार विकास कार्यों की प्रस्तुति देखी। कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, एमआईसी सदस्य एवं पार्षदगण सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि आमतौर पर लोग इंदौर की स्वच्छता व्यवस्था देखने आते हैं, लेकिन हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष रूप से परिषद भवन देखने की इच्छा जताई। अटल परिषद सदन की व्यवस्थाओं और संचालन को देखकर श्री कल्याण ने कहा कि यहां का वातावरण किसी विधानसभा से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस ऊर्जा के साथ हरियाणा में जनप्रतिनिधि कार्य करते हैं, उसी प्रकार इंदौर के महापौर भी विकास कार्यों को गति दे रहे हैं।

उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अर्बन लोकल बॉडी कॉन्फ्रेंस का उल्लेख करते हुए कहा कि उस सम्मेलन में इंदौर नगर निगम की प्रस्तुति सबसे प्रभावशाली और प्रेरणादायी रही थी। उसी से प्रभावित होकर उन्होंने इंदौर आकर यहां की व्यवस्थाओं को करीब से देखने का निर्णय लिया।

हरविंद्र कल्याण ने कहा कि इंदौर में सेवा, विकास और जनभागीदारी का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की पुण्यभूमि और बाबा महाकाल के आशीर्वाद से यह शहर देश के लिए प्रेरणा बना है। उन्होंने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता अभियान और स्थानीय निकायों को मजबूत बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारा है।

उन्होंने बताया कि वे इंदौर के अनुभवों और व्यवस्थाओं पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को सौंपेंगे, ताकि इंदौर के सफल मॉडल को देश के अन्य शहरों में भी लागू किया जा सके।

लसुड़िया ईला में एमडी ड्रग्स लेबोरेटरी का खुलासा, 21 किलो 189 ड्रग्स बरामद

घटनास्थल से दो आरोपी गिरफ्तार किए गए, लेब उपकरण व 487 ग्राम अफीम भी बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो चित्तौड़गढ़ राजस्थान की टीम ने शुक्रवार को कचनारा चौकी के गांव लसुड़िया ईला में दबिश देकर कार्रवाई की थी। इस संबंध में सीबीएन की ओर से अधिकृत खुलासा शनिवार को किया गया है। बताया गया है कि लसुड़िया ईला में एमडी ड्रग्स बनाने की लेबोरेटरी संचालित की जा रही थी । मौके से दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं, वहीं 21 किलो 189 ग्राम एमडी ड्रग्स भी बरामद की गई है। साथ ही 487 ग्राम अफीम तथा लेबोरेटरी उपकरण जब्त किए गए हैं। सीबीएन द्वारा ड्रग्स नेटवर्क के अंतरराज्यीय नेक्शन का भी पता लगाया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांव से थोड़ी दूर एमडी ड्रग्स लेबोरेटरी संचालित हो रही थी, जिसकी मुखबीरी सीबीएन की टीम को हुई है। यह कार्रवाई सीबीएन के उपनारकोटिक्स आयुक्त कोटा राजस्थान नरेश बुन्देल के मार्गदर्शन में की गई है।

राजस्थान की चित्तौड़गढ़ सीबीएन ने मंदसौर जिले के दलौदा तहसील के गांव लसुड़िया ईला में दबिश दी तथा गांव के बाहरी इलाके में गैर कानूनी तौर पर शमिल एक गुप्त लेबोरेटरी का भंडाफोड़ किया है। सीबीएन को विशिष्ट एवं विश्वसनीय खुफिया सूचना प्राप्त हुई थी। बताया था कि खेती की जमीन पर बने एक कमरे और आसपास की जगह से सिंथेटिक ड्रग बनाने वाली लेबोरेटरी संचालित है। इस पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ प्रथम, द्वितीय और तृतीय खंड के अधिकारियों की एक ज्वाइन्ट टीम बनाई गई और शक वाली जगह पर भेजा गया। कड़ी निगरानी, जमीन की मेपिंग और टारगेट जगह की पहचान के बाद सीबीएन टीम ने खुफिया लेबोरेटरी के होने की पुष्टि की। इलाके की सेंसिटिविटी और रिपोर्ट की गई कानून व्यवस्था के खिलाफ गतिविधियों को देखते हुए सीबीएन की मध्यप्रदेश यूनिट से इस ऑपरेशन में मदद मांगी गई। सीबीएन जावरा निवारक सेल की टीम कुछ ही समय में मौके पर पहुंच गई और ऑपरेशन को अच्छे से आगे बढ़ाया गया। कमरे और आसपास के इलाके सहित पूरी जगह की अच्छी तरह से तलाशी ली गई। मौके से मेफेड्रोन बनाने वाले छिपे हुए सेटअप का पता लगाया और उसे तोड़ दिया। इस दौरान मेफेड्रोन यानी एमडी 21 किलो 189 ग्राम तथा 487 ग्राम अफीम मिली। साथ ही केमिकल्स में एचसीएल और दूसरे लिक्विड सबसटेंस केमिकल कुल 30.800 लीटर जब्ती में लिया गया। वहीं लेबोरेटरी के उपकरण और बनाने के उपकरण दस बेग जिनमें अलग-अलग उपकरण शामिल थे, को भी बरामद किया गया मौके से दो लोगों को एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। सीबीएन की संगठित नारकोटिक्स नेटवर्क को खत्म करने की चल रही कोशिशें में यह एक बड़ी कामयाबी मानी गई है। सीबीएन अधिकारियों के अनुसार सिंडिकेट के बेकवर्ड ऑर फारवर्ड लिंक्स, प्रीकर्सर केमिकल्स के स्रोत, वित्तीय स्रोत और इसके इंटर स्टेट कनेक्शन का पता लगाने की भी आगे की जांच की जा रही है।

राजपूत सिंह सभा ने अन्य संगठनों के साथ महाराणा प्रताप जयंती पर किया माल्यार्पण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजपूत सिंह समाज जिला मंदसौर के संयोजक महेंद्र प्रताप सिंह परिहार पूर्व टीआई ने बताया कि अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार आज 9 मई 1540 को भारत के सपूत वीर शिरोमणि हिंदुजा सम्राट महाराणा प्रताप जी का जन्म हुआ था पूरे देश में आज के दिन महाराणा प्रताप जी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस तारतम्य में आज मंदसौर में राजपूत सिंह सभा के बैनर तले शहर के संगठन दशपुर जागृति संगठन, धार्मिक उत्सव समिति, जिला राजपूत समाज एवं अन्य संगठनों के द्वारा महाराणा प्रताप बस स्टड पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर महाराणा प्रताप जी को और उनके घोड़े चेतक की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर धूमधाम से जयंती मनाई गई ।

इस दौरान उपस्थित संगठनों के प्रमुखों द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वीरता और पराक्रम के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के द्वारा जिस प्रकार से अधर्मी मुगल सम्राट अकबर का अदम्य साहस और शौर्य पूर्वक मुकाबला किया गया था उनकेशौर्य और बलिदान को याद किया गया। जिस प्रकार से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के द्वारा अपने स्वाभिमान को आज नहीं आने दी गई थी इसी प्रकार से आज हम सभी अपने स्वाभिमान की रक्षा करने के लिए तत्पर रहे। कार्यक्रम में राजपूत सिंह सभा के वरिष्ठ राघवेंद्र सिंह तोमर, बृजेंद्र सिंह चौहान, हरनाथ सिंह चौहान, गजराज सिंह चौहान, सहदेव सिंह चौहान, एडवोकेट सत्येन्द्र सिंह सोम, राजेंद्र सिंह तोमर, पुष्पा राठौड़, जिला राजपूत संगठन के श्री बालू सिंह सिसोदिया, दशपुर जागृति संगठन के उपाध्यक्ष हरिशंकर शर्मा, संरक्षक रविंद्र पांडे, जिला धार्मिक उच्च समिति के संयोजक विनोद मेहता, जिला अध्यक्ष वरदीचंद कुमावत, विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, पुलिस पेंशनर संघ के शंभूसिंह चुंडावत, राधेश्याम परमार एवं श्री रहीमबेग आदि उपस्थित थे। सभी के द्वारा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप अमर रहे-अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा राणा जी तेरा नाम रहेगा'' आदी नारे लगाकर याद किया गया।

भीषण गर्मी में घंटों बिजली कटौती से जाट गांव में आक्रोश, केबल कार्य के नाम पर बिना सूचना बंद हो रही सप्लाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 7 भीषण गर्मी के बीच ग्राम जाट में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। गांव में नई बिजली केबल डालने का कार्य चल रहा है, लेकिन इस काम के चलते बिना पूर्व सूचना घंटों तक बिजली बंद रखी जा रही है। इससे ग्रामीणों को गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार की मनमर्जी के अनुसार कभी भी परमिट लेकर बिजली सप्लाई बंद कर दी जाती है। दो दिन पहले सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक बिजली गुल रहने से लोगों का जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। तेज गर्मी के कारण लोग घरों में भी बिना पंखे और कूलर के नहीं रह पा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि केबल कार्य करना ही है तो सुबह के समय शेड्यूल बनाकर काम किया जाए, ताकि दोपहर की भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सके। लेकिन वर्तमान में ठेकेदार जब चाहे तब काम शुरू कर देता है और उसी समय बिजली बंद करा दी जाती है।

आंदोलन की चेतावनी- लगातार हो रही अघोषित कटौती से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि बिना सूचना घंटों बिजली बंद रखने का सिलसिला जारी रहा तो गांव के लोग सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

अधिकारी बोले- शेड्यूल बनाकर होगा कार्य- मामले को लेकर जब जावद डीई से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामले को दिखवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब शेड्यूल बनाकर ही कार्य कराया जाएगा। साथ ही रतनगढ़ एई ओंकारलाल से चर्चा कर यह भी पूछा जाएगा कि किस आधार पर परमिट जारी किए जा रहे हैं।

50 वर्ष से जमीं साठिया बस्ती से मुक्त हुआ, अरबों कीमती कालाखेत क्षेत्र

सुरक्षा फोर्स की मौजूदगी में प्रशासन एवं नपा द्वारा झुग्गियों को किया जमींदोज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करीब 50 वर्ष से अधिक समय से कालाखेत खेल मैदान के सामने वाले हिस्से में अरबों कीमती जगह पर साठिया समुदाय का कब्जा रहा है। साठिया बस्ती को आखिरकार प्रशासन एवं नगर पालिका की संयुक्त कार्रवाई से शुक्रवार को हटा दिया गया। जेसीबी की मदद से झुग्गियों को जमींदोज किया गया, ताकि फिर से बसाहट की स्थिति पैदा ना हो। कालाखेत में करीब सौ से अधिक साठिया समुदाय के लोग निवासरत थे, जिन्हें नई जगह शिफ्टिंग कराया गया है। शुक्रवार को स्थिति को सकारात्मकता दिए जाने पर विवाद गहराया नहीं और साठिये समुदाय के लोगों ने खुद ही अपने सामान समेटकर आवंटित जगह पर ले गए थे। हालांकि, नगर पालिका ने इसके लिए अपने ट्रेक्टर इत्यादि वाहनों का सहयोग दिया। गौरतलब है कि साठिया बस्ती को शहर के हृदय स्थल से हटाने के लिए कई बार पहल हो चुकी है। लगभग पूरा शहर इन्हें हटाने के लिए एकमत है । इसके बाद भी साठिया बस्ती को अनेक बार कोशिश के बाद भी हटाया नहीं जा सका था। इस संबंध में विधायक विपीन जैन ने भी अपने प्रयास के तहत विधानसभा में प्रश्नों के माध्यम से यह समस्या उठाई थी। हालांकि, पूर्व में भी प्रशासन और नपा ने अन्य माध्यम से साठियों को हटाने के लिए कई बार सुरक्षा फोर्स सहित कोशिश की थी, लेकिन उस समय साठियों के अनावश्यक व्यवहार के चलते बस्ती को हटाने की दिशा में कदम ठहरते रहे। इस बार जिला प्रशासन एव नगर पालिका प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अधिकारियों व कर्मचारियों के लवाजमे के साथ शनिवार को सख्ती से हटा दिया है। कालाखेत में नगर पालिका ने जब यहां शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया था, तब यह क्षेत्र व्यावसायिक गतिविधियों के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में माना जा रहा था। कॉम्प्लेक्स तो निर्मित हो गया, लेकिन, इसे साठिया बस्ती ने घेर रखा था। एक तरह से पूरे कॉम्प्लेक्स और इससे सटी खाली जमनी पर साठिया समुदाय का कब्जा रहा है। करीब 50 वर्ष से यह समस्या ज्यों की त्यों ही रही । साठिया बस्ती हटने के बाद नपा के इस कॉम्प्लेक्स को जीर्णोद्धार की जरूरत है। अनेक व्यापारियों ने यहां अपना रूपया लगाकर दुकानें खरीदी थी, लेकिन वे इसका उपयोग नहीं कर पाए। साठिया बस्ती हटने के बाद इस क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां उभरने की स्थिति बनेगी। उल्लेखनीय है कि आसपास के रहवासियों और व्यापारियों में भी साठिया बस्ती हटने से हर्ष है। व्यापारियों का कहना है कि साठिया बस्ती को हटाने संबंधी श्रेय सबको जाता है। यह कार्य सबके सामूहिक प्रयास से हो सका है।

एडीएम डॉ श्रीवास्तव ने किया जनगणना के कार्यों का निरीक्षण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना कार्य निदेशालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना संबंधी कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक जिले में किया जा रहा है। राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से संपादित किए जाने हेतु अधिकारियों द्वारा जिले में निरीक्षण किया जा रहा है। एडीएम डॉ शालिनी श्रीवास्तव एवं एसडीएम आर्ची हरित ने ग्राम बंजली में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रगणकों, सुपरवाइजर एवं फील्ड ट्रेनर्स द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली एवं नागरिकों को जनगणना के लिए प्रगणको को सही-सही जानकारी देने के लिए जागरूक किया।

मादक पदार्थ केस में एक और आरोपी गिरफ्तार हुआ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली द्वारा गत दिवस 500 ग्राम एमडी एवं 500 ग्राम अफीम बरामद की थी। जिसमें मौके से एक आरोपी के अलावा दूसरे दिन दो और आरोपी पकड़े थे। मामले में शनिवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार इमरान पिता मीरगुल उर्फ बंटी पठान निवासी दावतखेड़ी के कब्जे से ड्रग्स व अफीम पकड़ाई थी, जो विद्युत मोटर की बॉडी से बरामद की गई। आरोपी इमरान का सात दिन का पुलिस रिमांड मिला है। पूर्व में पकड़ाए आरोपी महावीरसिंह चौहान एवं सादिक गढ़वी मुल्तानी को कोर्ट में पेश कर जैल भेजा गया है। प्रकरण में चौथा आरोपी सलमान पिता अनवर शाह 29 वर्ष निवासी श्रृंगार गली मंदसौर को भी गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट व बलात्कार जैसे गंभीर मामले में भी दर्ज रहे हैं।

अफजलपुर पुलिस ने पकड़ा 65 किलो डोडाचूरा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना निरीक्षक हरीश मालवीय व उनकी टीम ने बिती रात्रि में एक युवक के कब्जे से 65 किलो से अधिक डोडा चूरा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार कांबिंग गश्त के दौरान मुखबीर सूचना पर नाकाबंदी की। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात्रि में अफजलपुर में चेकिंग के दौरान बोलेरो जीप को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 4 कट्टों में 65 किलो 700 ग्राम डोडा चूरा भरा मिला। मौके से वाहन चालक आरोपी ने अपना नाम विशाल पिता मांगीलाल निवासी निपानिया का होना बताया। आरोपी से मादक पदार्थ के क्रेता और विक्रेता व सप्लायर के संबंध में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

निपानिया आरोग्य धाम में आयुर्वेद और अध्यात्म का संगम, गुरु सानिध्य शिविर में स्वस्थ जीवन का संदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आरोग्य भारती जिला नीमच द्वारा ग्राम निपानिया अंबामाता स्थित आरोग्य धाम में तीन दिवसीय गुरु सानिध्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर संत श्री सुरेशानंद सरस्वती जी के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में आयुर्वेद और आध्यात्मिक ज्ञान आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शिविर में आरोग्य भारती मालवा प्रांत अध्यक्ष डॉ. विष्णु सेन कछावा ने आरोग्य भारती की स्थापना से लेकर वर्तमान तक संचालित विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रातःकाल जागरण से लेकर रात्रि विश्राम तक की दिनचर्या में योग, व्यायाम, ध्यान, अनुशासन और संतुलित आहार को शामिल करना आवश्यक है।

डॉ. कछावा ने सुपोषण आहार में सूर्य के सात रंगों से मिलती-जुलती खाद्य सामग्री को शामिल करने की बात कही और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रसोई घर में उपयोग होने वाले हल्दी, कालीमिर्च, दालचीनी और तेजपत्ता जैसे मसालों के औषधीय गुणों की जानकारी देते हुए पैक मसालों की बजाय खड़े मसालों के उपयोग की अपील की।

शिविर में विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम, वनौषधि संरक्षण, किशोर स्वास्थ्य, गर्भ संस्कार, व्यसन मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। भारत में बढ़ती मधुमेह की समस्या को लेकर योग, प्राणायाम और स्वस्थ जीवनशैली को जरूरी बताया गया।

शिविर में देशभर के विभिन्न राज्यों से आयुर्वेद अध्ययनरत शिक्षार्थी भाग ले रहे हैं। यहां औषधीय निर्माण, आयुर्वेदिक उपचार पद्धति, गंध चिकित्सा, ध्वनि चिकित्सा और स्वस्थ दिनचर्या पर व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शिविर 10 मई तक संचालित रहेगा।

मनासा के ग्राम चौकड़ी में उपार्जन केंद्र बंद होने संबंधी समाचार का स्पष्टीकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक प्रमुख दैनिक समाचार पत्र में ग्राम चौकड़ी में पिछले 2 वर्षों से उपार्जन केंद्र बंद होने के संबंध में9 मई को प्रकाशित खबर के परिप्रेक्ष्य में जिला आपूर्ति अधिकारी श्री राम नरेश दिवाकर ने वस्तुस्थिति स्पष्ट की है । जिला आपूर्ति अधिकारी श्री दिवाकर ने बताया कि रबी उपार्जन नीति 2026-27 (कंडिका 5.3) के अनुसार, किसानों की सुविधा हेतु उपार्जन केंद्र की दूरी यथासंभव 25 कि.मी. के दायरे में होनी चाहिए। ग्राम चौकड़ी से निकटतम केंद्र कंजार्डा की दूरी मात्र 10 से 12 कि.मी. है, जो निर्धारित मापदंडों के पूर्णतः अनुरूप है। उपार्जन नीति की कंडिका 5.5 के अनुसार, जिन केंद्रों पर पिछले वर्ष 500 मीट्रिक टन से कम खरीदी हुई है, उन्हें नजदीकी केंद्र में संलग्न करने के निर्देश हैं। वर्ष 2023-24 में ग्राम चौकड़ी केंद्र पर शून्य खरीदी दर्ज की गई थी, जिसके कारण इसे नियमानुसार कंजार्डा केंद्र में समाहित किया गया है।

डिगांव माली में दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहन फिटनेस निरस्त किया : एआरटीओ बिल्लौरे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जगदीश बिल्लौरे, अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जिला मंदसौर म.प्र. द्वारा बताया गया कि 7 मई को मार्ग डिगांव माली से माल्याखेरखेडा के बीच दुर्घटनाग्रस्त हुए बस वाहन का तत्काल प्रभाव से फिटनेस निरस्त किया गया है। साथ ही वाहन के चालक मुन्नावर पिता अख्तर निवासी शेखा चौक जिला मंदसोर का लाईसेंस को तीन माह के लिये तत्काल प्रभाव से स्थगित किया गया है। उक्त कार्यवाही के अंतर्गत दिनांक 8 मई को जिले के सीतामउ फाटक क्षेत्र में सघन चैकिंग अभियान चलाया गया जिसमें करीब 30 बसों का निरीक्षण किया गया व 5 बसों पर 26000 रूपये का शमन शुल्क वसूला गया। साथ ही तीन बसों की जब्ती की गयी जिसमें दो वाहन बिना फिटनेस है साथ ही एक वाहन बिना परमिट टैक्स एवं फिटनेस में जब्त की गई है। तत्पश्चात कार्यालय में सायं 4 बजे जिले के मोटरमालिक संघ को बुलाकर जिसमें संघ के अध्यक्ष शिखर चंद्र रातडिया व सचिव अकिल कुरैशी उपस्थित थे, को वाहनों का नियमानुसार संचालित करने के दिशा निर्देश दिये गये।

एसपी का एक्शन : कचनारा चौकी प्रभारी पूर्णिमा, सउनि युसूफ व आरक्षक अर्जुन निलंबित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कचनारा चौकी के अंतर्गत ग्राम लसुड़िया ईला में गांव से बाहर खेत पर संचालित अवैध एमडी ड्रग्स कारखाने के खुलासे के साथ ही पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने एक्शन लिया है। मामले में कचनारा चौकी प्रभारी पूर्णिमा सिरोहिया, सउनि युसूफ मंसूरी तथा आरक्षक अर्जुनसिंह को निलंबित कर दिया गया है। एसपी कार्यालय से जारी प्रेसनोट के अनुसार सोशल मीडिया एवं सूत्रों के माध्यम से 8 मई को जानकारी लगी थी कि दलौदा थाने की चौकी कचनारा अंतर्गत ग्राम लसुड़िया ईला क्षेत्र में सीबीएन टीम ने दबिश देकर भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स जब्त कर कार्रवाई की है। इस पर यह प्रतीत हुआ है कि उपरोक्त तीनों पुलिस कर्मचारियों ने एसपी द्वारा दिए गए निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। चौकी क्षेत्र में बाहरी एजेंसी द्वारा कार्रवाई की गई, इससे चौकी पर पदस्थ कार्मिको की संदिग्धता और निम्न व्यावसायिक कार्यदक्षता प्रदर्शित हुई है। ऐसी स्थिति में गंभीर लापरवाही, संदिग्ध आचरण और निम्न दक्षता के लिए तीनों को निलंबन कर पुलिस लाईन अटैच किया गया है। इसके अलावा प्रशासकीय कार्य दृष्टि से एसपी ने चौकी में पदस्थ सउनि सीताराम शर्मा को लाइन में भेजा गया है।

ग्राम उचेड में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय आयुर्वेद औषधालय पिपल्या जागीर (आयुष) द्वारा शनिवार को ग्राम उचेड़ के आंगनवाड़ी केंद्र में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में दी गई सेवाएंःशिविर में आमवात, संधिवात, त्वचा रोग, उदर रोग, विबंध, श्वास, कास, प्रतिश्याय, रक्त अल्पता, उच्च रक्तचाप, अर्श, अम्लपित्त, प्रमेह आदि रोगों की जांच कर रोगियों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। साथ ही बीपी की निःशुल्क जांच भी की गई। जागरूकता एवं परामर्शःइसके अतिरिक्त मौसमी बीमारियों से बचाव, तनाव मुक्ति, नशामुक्ति एवं स्वस्थ दिनचर्या अपनाने के बारे में आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। लाभान्वित मरीजः शिविर में कुल 38 मरीजोंने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। उपस्थित गणमान्यः इस अवसर पर पंचायत सचिव, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ.आबिद खान, कम्पाउन्डर श्री गोपाल कृष्ण गंधर्व, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा, सहायिका एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहर के आसपास की सभी पहाड़ियों को हरा-भरा करने के लिये चिन्हांकन का कार्य तत्परता से करें - कलेक्टर

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर शहर के आसपास स्थित पहाड़ियों को हरा-भरा करने के साथ-साथ नागरिकों के लिये पर्यटन के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इस कड़ी में वन विभाग द्वारा दो पहाड़ियों और नगर निगम द्वारा दो पहाड़ियों को चिन्हित कर उसके विकसति करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इन पहाड़ियों को हरा-भरा करने के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित किया जायेगा।

माननीय उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर द्वारा एक जनहित याचिका के संबंध में दिए गए निर्देश के पालन में गठित कमेटी की बैठक में लिए गए निर्णयों के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित बैठक में यह जानकारी दी गई है। बैठक में शहर के आसपास की सभी पहाड़ियों को चिन्हित करने के निर्देश भी नगर निगम, वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं।

दूध टेंकर वाहन में छिपाया 94 किलो डोडाचूरा पकड़ा, एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना निरीक्षक राजेन्द्रसिंह बघेल एवं उनकी पुलिस टीम ने दूध टेंकर वाहन में छिपाकर तस्करी कर ले जाया जा रहा 94 किलो 300 ग्राम डोडा चूरा बरामद किया है। मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार 9 मई शनिवार को मुबबीर सूचना प्राप्त हुई। इस पर उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर सुवासरा थाना प्रभारी आरएस बघेल कार्रवाई आगे बढ़ाई। रूनिजा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक भारत कटारा एवं उनके द्वारा गठित टीम ने सुवासरा नई आबादी धानखेड़ा कच्चे रास्ते गणेश मगरे पर नाकाबंदी की। यहां पिकअप दूध टेंकर वाहन को रोका गया। मौके से आरोपी ड्राईवर भारतसिंह पिता नारायणसिंह सौंधिया 32 वर्ष निवासी डूंगरखेड़ी थाना शामगढ़ को हिरासत में लिया गया। दूध टेंकर वाहन की तलाशी ली गई, जिसमें छिपाकर 9 कट्टे रखे थे, इसमें कुल 94 किलो 300 ग्राम डोडा चूरा होना पाया। पूछताछ में आरोपी ने उक्त डोडाचूरा अपने साथी संदीप सिंह पिता सरदारसिंह सौंधिया निवासी डूंगरखेड़ी द्वारा भरवाना बताया। इस पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है।

नीमच में सफाई व्यवस्था पर प्रशासन सख्त : डिप्टी कलेक्टर पराग जैन पहुंचे कचरा पॉइंटों पर, दिन में दो बार सफाई के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह एक्टिव नजर आ रहा है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर पराग जैन ने शुक्रवार को मुख्य नगरपालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया के साथ शहर के विभिन्न कचरा संग्रहण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान गोमाबाई रोड, ग्वालटोली, डाक बंगले के पास और जिला चिकित्सालय रोड स्थित कचरा पॉइंटों की स्थिति का जायजा लिया गया। कई स्थानों पर गंदगी और कचरे का जमाव दिखाई देने पर डिप्टी कलेक्टर ने अधिकारियों को सफाई व्यवस्था और मजबूत करने के निर्देश दिए।

डिप्टी कलेक्टर पराग जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के सभी कचरा संग्रहण केंद्रों से प्रतिदिन सुबह और शाम दो बार कचरा उठाया जाए, ताकि आम नागरिकों को गंदगी और दुर्गंध की समस्या का सामना न करना पड़े।

हालांकि मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने बताया कि प्रतिदिन कचरा उठाने की व्यवस्था पहले से जारी है, लेकिन इस पर जैन ने कहा कि स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए अब दिन में दो बार कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए।

सम्पादकीय

राष्ट्रवाद का सबसे जटिल विरोधाभासी संक्रमण काल

वर्तमान समय में राष्ट्रवाद अपने सबसे जटिल, विरोधाभासी और बहुअर्थी दौर से गुजर रहा है। यह वह राष्ट्रवाद नहीं रह गया है जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान त्याग, नैतिक साहस, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समरसता का प्रतीक था, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रवाद बनता जा रहा है जिसे बार-बार सत्ता की भाषा में परिभाषित किया जा रहा है, आज राष्ट्र सरकार का पर्याय बनने की ओर अग्रसर है और सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, यही वह बिंदु है जहाँ राष्ट्रवाद अपनी आत्मा खोने लगता है और लोकतंत्र अपने आधार, आज जब चुनावी सभाओं, टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्रवाद को धर्म, जाति, सैन्य शक्ति और भावनात्मक उन्माद के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या राष्ट्र प्रेम का अर्थ केवल सत्ता के समर्थन तक सीमित रह गया है, हाल के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि आतंकी घटनाओं, सीमा विवादों, सैन्य अभियानों और ऐतिहासिक स्मृतियों का चयनित उपयोग कर भावनात्मक ध्रुवीकरण को तेज किया गया है, असहमति को राष्ट्रद्रोह, प्रश्न को साजिश और आलोचना को देश के खिलाफ खड़े होने का प्रमाण बताया गया है, यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्रों के भीतर उभरते अति राष्ट्रवाद का साझा संकट है, अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास, रूस में सत्ता केंद्रित राष्ट्रवाद, चीन में सर्वव्यापी राज्य और एशिया व अफ्रीका में सैन्य प्रभुत्व की राजनीति यह संकेत देती है कि राष्ट्रवाद अब नागरिकों को सशक्त करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने का माध्यम बनता जा रहा है, भारत जैसे विविधता से भरे समाज में यह परिवर्तन और भी खतरनाक है क्योंकि यहाँ राष्ट्र का अर्थ बहुलता, सहअस्तित्व और संवैधानिक संतुलन से जुड़ा रहा है, किंतु वर्तमान राजनीतिक विमर्श में बहुलता को कमजोरी और असहमति को बाधा के रूप में चित्रित किया जा रहा है, सत्ता की निरंतरता के लिए जातिगत समीकरणों का सूक्ष्म लेकिन आक्रामक उपयोग, धार्मिक पहचान का राजनीतिकरण और लोकलुभावन योजनाओं की होड़ लोकतंत्र को तात्कालिक लाभ की राजनीति में कैद कर रही है।

मुफ्त उपहार, नकद हस्तांतरण और प्रतीकात्मक घोषणाएँ जनता को क्षणिक संतोष तो देती हैं लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत सुधार जैसे मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल देती हैं, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति माना जाता है, किंतु आज सत्ता को स्थायित्व और राष्ट्रहित को सत्ता की निरंतरता से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। इससे अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को वैधता मिलने लगती है, हाल के वर्षों में दलबदल की बढ़ती घटनाएँ, विचारधारा से अधिक सत्ता की प्राथमिकता और राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का क्षरण यह दर्शाता है कि राजनीति सिद्धांत से नहीं बल्कि अवसर से संचालित हो रही है, जातिवादी मतदान और पहचान आधारित ध्रुवीकरण के कारण खाप पंचायतों जैसी समानांतर सत्ता संरचनाएँ पुनः सामाजिक स्वीकृति पाने लगी हैं, जो संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक आदर्शों के बावजूद धार्मिक आस्थाओं के नाम पर नीतिगत हस्तक्षेप और व्यक्तिगत जीवनशैली पर नियंत्रण यह प्रश्न उठाता है कि क्या राष्ट्रवाद कहीं नागरिक स्वतंत्रताओं का शत्रु तो नहीं बनता जा रहा, पशु व्यापार, भोजन की पसंद और सांस्कृतिक व्यवहार जैसे विषय जब राज्य के नियंत्रण का विषय बनते हैं तब लोकतंत्र का स्वरूप धीरे-धीरे नैतिक निगरानी में बदलने लगता है। अति राष्ट्रवाद का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि वह भय पैदा करता है, भय बाहरी शत्रु का, भय आंतरिक दुश्मन का और भय असहमति का, और भय जब राजनीति का आधार बनता है तब लोकतंत्र केवल चुनावी औपचारिकता बनकर रह जाता है, इतिहास साक्षी है कि बीसवीं सदी में जर्मनी, इटली और स्पेन में इसी भय आधारित राष्ट्रवाद ने फासीवाद को जन्म दिया, एशिया में पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया में सुरक्षा और राष्ट्रहित के नाम पर सैन्य प्रभुत्व लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करता रहा है।भारत में भी यदि राष्ट्रवाद को केवल सैन्य शक्ति, बहुमत की भावना और नेता-केंद्रित आस्था से जोड़ा गया तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त संतुलन को कमजोर करेगा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता और कानून के समक्ष समानता का नाम है, किंतु वर्तमान विमर्श में बहुमत को अंतिम सत्य और संख्या को नैतिक वैधता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, मीडिया के एक बड़े हिस्से द्वारा सत्ता समर्थक राष्ट्रवादी नैरेटिव का प्रसार, सोशल मीडिया पर ट्रोल संस्कृति और चयनित सूचना का उग्र प्रसार लोकतांत्रिक संवाद को संकीर्ण और आक्रामक बना रहा है। ऐसे समय में सिविल सोसाइटी, लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका निर्णायक हो जाती है, यदि यह वर्ग चुप रहता है तो लोकतंत्र धीरे-धीरे आत्मसमर्पण कर देगा, राष्ट्रवाद का पुनर्पाठ आवश्यक है जहाँ राष्ट्र सरकार से बड़ा हो, संविधान सत्ता से ऊपर हो और नागरिक की गरिमा सर्वोपरि मानी जाए, राष्ट्र प्रेम का अर्थ प्रश्न करना, जवाबदेही माँगना और संस्थाओं को मजबूत करना भी होना चाहिए, न कि केवल नारे लगाना और भीड़ का हिस्सा बन जाना।

भारत – मेडिकल टूरिज्म नहीं, स्वास्थ्य पुनर्जागरण का भारतीय मंदिर

स्वास्थ्य क्रांति के वैश्विक मानचित्र पर भारत अब निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। दुनिया जहां महंगे इलाज और सीमित सुविधाओं से जूझ रही है, वहीं भारत किफायती, गुणवत्तापूर्ण और समग्र चिकित्सा का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। प्राचीन आयुष परंपरा और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का संगम इसे विशिष्ट पहचान देता है। 2025 में मेडिकल वैल्यू ट्रैवल बाजार लगभग 8.7 बिलियन डॉलर है, जो 2030 तक 16.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भारत के वैश्विक स्वास्थ्य नेतृत्व के उदय का स्पष्ट संकेत है। भारत अब सिर्फ इलाज का विकल्प नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद वैश्विक चिकित्सा गंतव्य बनता जा रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में किफायत और गुणवत्ता का संतुलन बनाकर भारत एक नई परिभाषा स्थापित कर रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में यहां हृदय बाईपास, कैंसर उपचार, हिप-नी रिप्लेसमेंट, अंग प्रत्यारोपण और आईवीएफ जैसी जटिल प्रक्रियाएं 60 से 90 प्रतिशत तक कम खर्च में उपलब्ध हैं। यही कारण है कि भारत अब ÷सस्ता विकल्प÷ नहीं, बल्कि ÷सर्वोत्तम मूल्य÷ वाला देश बन चुका है। जेसीआई और एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पताल, आधुनिक तकनीक और अनुभवी डॉक्टर विदेशी मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा रहे हैं। 2025 में 9.15 मिलियन विदेशी पर्यटकों में से लगभग 5.07 लाख मरीज उपचार के लिए भारत आए, जो इसकी बढ़ती चिकित्सा विश्वसनीयता को दर्शाता है। यह प्रवृत्ति हर वर्ष तेज गति से आगे बढ़ रही है।

प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन रहा है। आयुष प्रणाली अब केवल वेलनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि गंभीर रोगों के बाद तेजी से रिकवरी, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, क्रॉनिक बीमारियों के प्रबंधन और मानसिक तनाव में राहत देने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र हैं। यूनियन बजट 2026-27 में पाँच क्षेत्रीय मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की घोषणा की गई है, जहां आधुनिक चिकित्सा और आयुष सेवाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध होंगी। साथ ही तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान स्थापित किए जाएंगे। यह समन्वय भारत को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर कर रहा है।

नीतिगत दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी ने भारत को वैश्विक हेल्थकेयर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूत आधार दिया है। आयुष वीजा और ÷हील इन इंडिया÷ पोर्टल ने विदेशी मरीजों के लिए उपचार प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है। गुजरात के जामनगर में स्थित डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर आयुष को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान कर रहा है। हैदराबाद, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और कोच्चि जैसे शहर मेडिकल टूरिज्म के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। यहां आधुनिक अस्पतालों के साथ योग और पुनर्वास सुविधाएं भी विकसित हो रही हैं। सर्जरी के बाद मरीज आयुर्वेदिक थेरेपी से तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं, जिससे भारत की विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ हो रही है।

दुनिया भर में बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताएं भारत के मॉडल को तेजी से लोकप्रिय बना रही हैं। विकसित देशों में बढ़ती इलाज लागत, लंबी प्रतीक्षा सूची और दवाओं के दुष्प्रभाव मरीजों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। बांग्लादेश, अफ्रीकी देशों, मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया से लाखों मरीज भारत में किफायती और गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त कर रहे हैं। यहां उन्हें केवल इलाज ही नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य सुधार का अनुभव मिलता है। भारत का यह मॉडल इलाज, रोकथाम, पुनर्वास और जीवनशैली संतुलन को जोड़कर भविष्य की स्वास्थ्य प्रणाली का मार्ग तैयार कर रहा है। यह बदलाव वैश्विक स्वास्थ्य दृष्टि को नई दिशा दे रहा है।

भारत का यह सफर आर्थिक विकास, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय सेवा को एक साथ सशक्त कर रहा है। देश का स्वास्थ्य ढांचा अब केवल उपचार प्रणाली नहीं, बल्कि सामाजिक प्रगति का मजबूत आधार बन चुका है। प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगम यह संदेश देता है कि वास्तविक स्वास्थ्य केवल इलाज नहीं, बल्कि संतुलित जीवनशैली है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम, आयुष क्वालिटी मार्क और मेडिकल डिवाइस उद्योग के विस्तार से भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। यह क्षेत्र रोजगार और निर्यात का बड़ा स्रोत बन रहा है। यदि यह गति बनी रही, तो 2030 तक भारत वैश्विक हेल्थकेयर हब बनने के साथ समग्र और किफायती स्वास्थ्य समाधान का अग्रणी केंद्र होगा। यह प्रगति भारत को एक सशक्त वैश्विक स्वास्थ्य शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती साख उसे वैश्विक स्वास्थ्य परिदृश्य में प्रमुख स्थान दिला रही है। किफायती, भरोसेमंद और समग्र चिकित्सा सेवाओं के कारण यह विदेशी मरीजों के लिए सबसे आकर्षक गंतव्य बन चुका है। मेडिकल टूरिज्म से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित हो रहे हैं। अस्पताल, शोध संस्थान, योग केंद्र और वेलनेस सेक्टर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। यह उपलब्धि केवल स्वास्थ्य क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि ÷आत्मनिर्भर भारत÷ के लक्ष्य का ठोस प्रमाण है, जो देश को नई वैश्विक पहचान दे रही है। यह बदलाव भारत को भविष्य की स्वास्थ्य महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। दुनिया की स्वास्थ्य व्यवस्था अब एक निर्णायक बदलाव के मुहाने पर भारत की ओर मुड़ती दिखाई दे रही है। यहां का मॉडल केवल उपचार की प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और समग्र रूप से संवारने वाली गहरी दृष्टि है। सस्ती, सुलभ चिकित्सा और आयुष की प्राचीन ज्ञान परंपरा इसे अलग पहचान देती है। 'हील इन इंडिया' पहल, आयुष वीजा और निजी क्षेत्र की भागीदारी इस गति को लगातार मजबूत कर रही है। ÷आत्मनिर्भर भारत÷ की यह शक्ति वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे में नई उम्मीद और ऊर्जा भर रही है। आने वाले समय में भारत न सिर्फ उपचार का केंद्र बनेगा, बल्कि मानवता के लिए भरोसे, स्वास्थ्य और आशा का स्थायी आधार भी सिद्ध होगा। यह यात्रा भारत को विश्व कल्याण के नए युग का वास्तविक शिल्पकार बना रही है।

-प्रो. आरके जैन

सरकारी ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन वर्चस्व से दब रही प्रतिस्पर्धा

पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस यानी एलपीजी की जो कमी बनी हुई है उसने आम परिवारों का प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल की ओर ध्यान आकर्षित किया है। भारत प्राकृतिक गैस और एलपी?जी दोनों के मामले में आयात पर निर्भर है। घरेलू खपत के मामले में हम क्रमश- 50 से 60 फीसदी के लिए आयात पर निर्भर हैं। प्राकृतिक गैस के साथ अच्छी बात यह है कि इसके आयात के स्रोतों में विविधता लाई जा सकती है जबकि एलपीजी के आयात में विविधता लाना मुश्किल है।

घरेलू ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल और गैस पर हमारी निर्भरता अब भी काफी अधिक है, और कुल ऊर्जा में इनका अनुपात पिछले दो दशकों में लगभग समान स्तर पर बना हुआ है।

जीवाश्म ईंधनों में प्राकृतिक गैस सबसे कम प्रदूषणकारी है। वर्ष 2070 तक विशुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण यह होगा कि प्राकृतिक गैस के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए, जिसे कोयला गैस और बायोगैस (जहां भारत में अपार अप्रयुक्त क्षमता है) के साथ मिलाकर मध्यम अवधि में संक्रमण यानी बदलाव वाले ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

दुर्भाग्यवश, विभिन्न दावों और सरकार के इस लक्ष्य के बावजूद कि 2030 तक प्राकृतिक गैस का हिस्सा कुल ऊर्जा मिश्रण में 15 फीसदी तक पहुंचेगा, वास्तविकता यह है कि यह अनुपात 2000 के लगभग 7-8 फीसदी से घटकर अब 5-6 फीसदी पर आ गया है।

हालांकि गैस क्षेत्र में कई मुद्दों का समाधान करने की आवश्यकता है। यह लेख देश में गैस विपणन में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है। ऊपर से नीचे की ओर एकीकृत सरकारी उपक्रम (पीएसयू), विशेष रूप से गेल, जो गैस संचरण और वितरण संचालन को जोड़ते हैं, दशकों से इन व्यवसायों पर हावी रहे हैं। गैस अधोसंरचना पूंजी-गहन व्यवसाय है जिसमें देर से प्रतिफल मिलता है। साथ ही, पूरे देश में सस्ती कीमतों पर ऊर्जा उपलब्ध कराना आवश्यक है, इसलिए कभी-कभी अव्यवहार्य लेकिन सामाजिक रूप से वांछनीय परियोजनाओं में निवेश की आवश्यकता हो सकती है। इस प्रकार, गैस क्षेत्र के विकास के प्रारंभिक चरणों में पीएसयू का उच्चतम स्तर पर होना तर्किक लगता है। हालांकि, गैस क्षेत्र में अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता को देखते हुए और अधिक खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा लाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ हो और परिचालन दक्षता में सुधार हो, सरकार ने दो दशक से अधिक पहले निजी क्षेत्र की भागीदारी को चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की परिकल्पना की थी। यह उद्देश्य पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) अधिनियम, 2006 में परिलक्षित होता है। इस अधिनियम में, अन्य बातों के अलावा, गैस संचरण और वितरण गतिविधियों को अलग करने का प्रावधान है।

-सुनील कुमार महला

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को शक्ति, मातृशक्ति और आधी दुनिया कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर सुरक्षित या कमजोर उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में सरपंच पति जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए उपयुक्त क्षेत्र नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक आधी दुनिया लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

-ललित गर्ग

सिर्फ 10 मिनट का सहजयोग ध्यान आपके जीवन में क्या बदलाव ला सकता है?

आज की तेज़ रफ्तार जिंदगी में इंसान बाहर से जितना व्यस्त दिखाई देता है, अंदर से उतना ही बेचैन और थका हुआ महसूस करता है। तनाव, चिंता, गुस्सा और असंतोष धीरे-धीरे हमारे जीवन का हिस्सा बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में सहजयोग एक ऐसा सरल मार्ग दिखाता है, जहाँ केवल 10 मिनट का ध्यान भी जीवन में गहरा परिवर्तन ला सकता है।

सहजयोग की स्थापना का उद्देश्य है मनुष्य को उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मशांति से जोड़ना। सहजयोग में ध्यान किसी कठिन प्रक्रिया का नाम नहीं, बल्कि अपने भीतर स्थित आत्मा का अनुभव प्राप्त करने का माध्यम है।

सहजयोग में ध्यान करते समय व्यक्ति अपने विचारों से धीरे-धीरे मुक्त होने लगता है। इसे निर्विचार समाधि की अवस्था कहा जाता है, जहाँ मन शांत हो जाता है। केवल 10 मिनट का नियमित ध्यान दिनभर के तनाव को कम कर सकता है और भीतर गहरी शांति का अनुभव कराता है।

जब मन शांत होता है, तब व्यक्ति खुद को बेहतर समझ पाता है। सहजयोग ध्यान नकारात्मक सोच को कम करके आत्मविश्वास बढ़ाता है। व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर परेशान होने के बजाय हर परिस्थिति को सकारात्मक दृष्टि से देखने लगता है।

सहजयोग केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यवहार को भी बदलता है। ध्यान करने से गुस्सा कम होता है, धैर्य बढ़ता है और दूसरों के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना विकसित होती है। इससे परिवार और समाज में रिश्ते मजबूत होते हैं।सहजयोग का सबसे विशेष पहलू है आत्मसाक्षात्कार। माना जाता है कि हमारे भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति ध्यान के माध्यम से जागृत होकर हमें आत्मिक शांति और आनंद का अनुभव कराती है। यह अनुभव व्यक्ति को भीतर से मजबूत और संतुलित बनाता है।

नियमित सहजयोग ध्यान से नींद में सुधार, मानसिक तनाव में कमी और शरीर में ऊर्जा का अनुभव होता है। जब मन शांत होता है, तो उसका सकारात्मक प्रभाव शरीर पर भी दिखाई देता है। सिर्फ 10 मिनट का सहजयोग ध्यान जीवन की दिशा बदल सकता है। यह हमें बाहरी भागदौड़ से निकालकर अपने भीतर की शांति और आनंद से जोड़ता है। आज जब हर व्यक्ति सुकून की तलाश में है, तब सहजयोग एक सरल, निशुल्क और प्रभावी मार्ग बनकर सामने आता है। यदि इसे नियमित रूप से अपनाया जाए, तो जीवन अधिक संतुलित, शांत और खुशहाल बन सकता है।

कैसे ममता से दूर हुए शुभेंदु अधिकारी?

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार में शुभेंदु अधिकारी के एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने की तैयारी के बीच ममता बनर्जी के कई समर्थकों को कुछ साल पहले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की कैबिनेट बैठक में हुई एक बातचीत को याद करना चाहिए। ममता ने अचानक हंगामा किया और उठकर बैठक से चली गईं। एक मंत्री ने झुंझलाकर कहा, 'ममता को क्या हो गया है!'

हालांकि मंत्री ने यह ऐसे ही बोल दिया था लेकिन वहां मौजूद प्रणव मुखर्जी ने इसका उत्तर देना उचित समझा। उन्होंने अपना चश्मा उतारा, उसे साफ किया, फिर से पहना और धीरे से कहा- 'अगर कोई यह सोचे कि वह रवींद्रनाथ ठाकुर से बेहतर कवि, बीथोवेन से बेहतर (संगीतकार) और लियोनार्दो दा विंची से बेहतर चित्रकार है, तो फिर उसके लिए सब कुछ एक समस्या है।'

यह ममता की ही अतिवादी सोच थी, और केवल उन्हीं की, जिसने शुभेंदु अधिकारी को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से बाहर निकालकर भाजपा की गोद में धकेल दिया।

अधिकारी का प्रभाव क्षेत्र दक्षिण बंगाल है। उनके पिता ?शि?शिर अधिकारी कांग्रेसी और प्रभावशाली नेता थे, जो मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री भी रह चुके थे। वामपंथियों के वर्चस्व वाले कोंताई और तमलुक के इलाकों में,कांग्रेस का झंडा बुलंद था। वामपंथियों का साम्राज्य धीरे-धीरे ढहता गया, नंदीग्राम ने इसके पतन को और तेज कर दिया। शुभेंदु अधिकारी ने ही वामपंथियों द्वारा 'भूमि हड़पने' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

उनकी क्षमता को पहचानते हुए, ममता ने उन्हें टीएमसी युवा शाखा का अध्यक्ष और उस समय माओवादी समूहों के प्रभाव में रहे जंगलमहल के लिए पार्टी का पर्यवेक्षक बनाया। पांच साल से भी कम समय में, टीएमसी कांग्रेस और वामपंथी दलों, दोनों से यह राजनीतिक क्षेत्र छीनने में सफल रही। साथ ही क्षेत्र के उन युवाओं का विश्वास भी पुनः प्राप्त करने में कामयाब रही जो वामपंथी उग्रवाद की ओर अग्रसर हो रहे थे।

उनका उदय प्रभावशाली रहा। 2009 में, शुभेंदु तमलुक से लोक सभा के लिए चुने गए, उन्होंने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के दिग्गज नेता लक्ष्मण सेठ को 1,72,000 वोटों से हराया। वर्ष 2014 में उन्होंने माकपा के इब्राहिम अली को हराकर तमलुक संसदीय सीट बरकरार रखी।

टीएमसी ने 2016 में उन्हें नंदीग्राम विधान सभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया। उनका मुकाबला वाम मोर्चा और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार अब्दुल कादिर शेख से था। शुभेंदु ने 67 फीसदी से अधिक वोट प्राप्त करके जीत हासिल की। ??उनकी शानदार जीत के बाद ममता ने उन्हें परिवहन मंत्री बनाया। वर्ष 2018 में उन्हें पर्यावरण मंत्रालय का प्रभार भी दिया गया। लेकिन ममता उनके बढ़ते प्रभाव से चिंतित होने लगीं।

इसके अलावा, उनकी अपनी उत्तराधिकार योजना थी जिसमें शुभेंदु का कोई स्थान नहीं था। लेकिन वह उनके सिद्ध राजनीतिक कार्यों को भी नजरअंदाज नहीं कर सकीं, इसलिए एक समानांतर संगठन, टीएमसी युवा बनाया गया और उनके भतीजे अभिषेक को इसका प्रमुख चुना गया। बाद में उन्होंने टीएमसी युवा को भंग कर दिया और टीएमसी की युवा शाखा को पुनर्जीवित किया- एक बार फिर अभिषेक के नेतृत्व में। शुभेंदु का उपयोग पार्टी को मजबूत करने के लिए किया गया, लेकिन उन्हें ममता के करीबी लोगों में कभी शामिल नहीं किया गया।

वह भी दरबारी कहलाना पसंद नहीं करते थे। विधायक के रूप में उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वह कभी भी कोलकाता में रात न बिताएं। वह प्रतिदिन अपने निर्वाचन क्षेत्र से राज्य की राजधानी तक 200 किलोमीटर की दूरी तय करते थे, कभी-कभी रात के 1 बजे घर पहुंचते थे और फिर सुबह जल्दी काम पर जाने के लिए निकल जाते थे।

मुख्यमंत्री और उनके सबसे महत्त्वपूर्ण मंत्री के बीच विश्वास की कमी स्पष्ट हो गई। उन्होंने एक बार कहा था, 'मैं परिवहन मंत्री था, लेकिन मंत्रालय ममता चला रही थीं।' अपमानों का सिलसिला बढ़ता ही गया। इन सबके मूल में 'शुभेंदु और अभिषेक के बीच की प्रतिद्वंद्विता थी। वर्ष 2020 में दुर्गा पूजा के दौरान तो ऐसा लगा मानो मतभेद सुलझ ही नहीं सकते। शुभेंदु के निर्वाचन क्षेत्र में उनके द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में हर जगह पोस्टर लगे हुए थे जिन पर लिखा था- 'दादार अनुगामी (दादा का अनुयायी)।'

आधिकारिक तौर पर शुभेंदु ने इस बारे में किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार किया। लेकिन इन कार्यक्रमों में टीएमसी का कोई बैनर या ममता की तस्वीर नहीं थी। इसी बीच, टीएमसी नेता नंदीग्राम गए और वहां एक बैठक की, जिसमें उन्हें 'मीर जाफर' कहकर संबोधित किया गया। उसी वर्ष के अंत में 2021 के विधान सभा चुनावों से पहले शुभेंदु अधिकारी भाजपा में शामिल हो गए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने के बाद, ममता की अपनी पार्टी पर ऐसी पकड़ थी कि नेताओं को पता था कि उन्हें उनकी हर जिद पूरी करनी होगी अन्यथा दरकिनार कर दिया जाएगा। इसके चलते कुछ ऐसे अप्रत्याशित परिणाम सामने आए कि कई नेताओं को, जो यह मानकर चल रहे थे कि उनका राजनीतिक भविष्य बहुत उज्ज्वल है, ममता द्वारा दरकिनार किए जाने के बाद यह पता चला कि उन्हें आखिर क्यों बाहर का रास्ता दिखाया गया था। उदाहरण के लिए, उन्हें दरकिनार किए जाने के कारणों में ममता के गाते समय रवींद्र संगीत को पूरी एकाग्रता के साथ न सुनना या ममता की बताई दवाएं न लेना (वह खुद को डॉक्टर समझती हैं) शामिल हैं।

अब जब ममता मुश्किल हालात में खड़ी हैं, तो उन्हें खुद का, उन सभी लोगों का जिन्हें उन्होंने खुद से दूर कर दिया है, गहराई से आकलन करने की जरूरत है और खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि आखिर क्यों उनकी दुनिया उनके पैरों के पास ही खंडहर बनकर बिखर गई है।

-धनंजय राजौरा

बादलों के बाद भी सूरज ने झुलसाया, सुबह से शाम तक तपे नगरवासी

43.8 डिग्री पहुंचा तापमान, जिले में कई जगह हुई बूंदाबांदी, चली आंधी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मई माह में गर्मी का असर दोबारा दिखने लगा है। इस माह के दूसरे सप्ताह के शनिवार से नगरवासी फिर तपने को मजबूर हो गए और इस दिन तापमान 43.8 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग की माने तो गर्मी से राहत की कोई संभावना नहीं है और आगामी 5 दिनों तक तापमान में ऐसे ही वृद्धि होती रहेगी।

शनिवार को दिन की शुरूआत ही तीखी धूप से हुई। सुबह से ही तीखी धूप से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद जैसे-जैसे दिन चढ़ा गर्मी का पारा भी बढ़ता गया। दोपहर तक तो ये हाल थे कि सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। वहीं दुकानो और कार्यालयों में भी लोगों ने दिनभर कूलर के सहारे गुजारा। मौसम विभाग की माने तो आगामी पांच दिनो तक तापमान ऐसा ही बना रहेगा, जिसमें वृद्धि का दौर जारी रहेगा। संभावना है इन पांच दिनों में तापमान 45 डिग्री या इससे भी अधिक पहुंच जाए। इस दिन अधिकतम तापमान 43.8 व न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बादलों से मिली राहत- सुबह से ही सूरज की तीखी किरणें लोगों को चुभ रही थी। दोपहर बाद कुछ देर के लिए मौसम बदला और आसमान पर बादल छा गए। जिससे धूप से राहत मिली। इस दिन जिला मुख्यालय पर तो बारिश नहीं हुई, लेकिन जिले के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी हुई जिससे लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। वहीं तापमान भी 43.8 पर आकर अटक गया। यदि बादल नहीं छाते तो यही आंकड़ा 45 या इससे अधिक पहुंच सकता था।

16-17 में तुफान की आशंका, मिलेगी गर्मी से राहत- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आगामी पांच दिनों तक तापमान ऐसा ही बना रहेगा। इसके बाद संभावना है कि तापमान कुछ कम हो। क्योंकि तमिलनाडू तरफ 16 या 17 मई को तुफान आने की संभावना है जिसका असर नगर के मौसम में भी देखने को मिलेगा और तापमान भी कम होगा। हालांकि इस बार में अभी कुछ स्पष्ट नहीं कहा जा सकता।

कलेक्टर ने मकान सूचीकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर प्रगणक मेहरबानसिंह को किया निलंबित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जनगणना 2027 मकानसूचीकरण जैसे अतिमहत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रगणक मेहरबानसिंह छावड़ी, प्रा.शि.प्रा.वि.रिछीखो द्वारा आज दिनांक तक भी मकानसूचीकरण के कार्य का प्रारंभ नहीं करने पर मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। निलंबन अवधि में मेहरबानसिंह छावड़ी, प्रा.शि.प्रा.वि रिछीखो का मुख्यालय तहसील कार्यालय खातेगावं रहेगा तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त करने की पात्रता होगी। कार्यवाही तहसीलदार एवं जनगणना चार्ज अधिकारी खातेगांव के प्रस्ताव के आधार पर की गई।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवास में प्रवेश के लिए आवेदन 29 मई तक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राचार्य शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय देवास डॉ. सोनल भाटी ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए देवास के शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रथम चरण के तहत ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया 29 मई तक चलेगी। ऑनलाइन पंजीयन के लिए संस्था में डॉ प्रियंक सुनहरे, प्रवेश प्रभारी मोबाईल नम?बर 96176-00775 से संपर्क स्थापित कर सकते है। इच्छुक विद्यार्थी के लिए ऑनलाइन पंजीयन हेतु संस्था में प्रातः 11 बजे से शाम 05 बजे तक सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। साथ ही अभ्यर्थी तकनीकी शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भी पंजीयन कर सकते है। प्राचार्य डॉ. सोनल भाटी ने बताया कि संस्थान में आधुनिक लैब, अनुभवी संकाय और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यार्थियों के लिए समय-सीमा के अंदर आवेदन कर प्रवेश लेकर तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का स्वर्णिम अवसर है। महाविद्यालय में कंप्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग व मैकेनिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे है।

गायत्री शक्तिपीठ में मनाया 39वां स्थापना दिवस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ का 39वां स्थापना दिवस शनिवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः गायत्री यज्ञ से हुई, जिसके बाद सुबह 8.45 बजे वेदमाता गायत्री, मां सरस्वती और मां दुर्गा को छप्पन भोग अर्पित किया गया।

इस कार्यक्रम में नगर के गायत्री परिजनों, श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने अपने-अपने घरों से भोग तैयार कर गायत्री माता को अर्पित किया। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने गायत्री शक्तिपीठ की धार्मिक, सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया। स्थापना दिवस समारोह में प्रतिदिन गायत्री उपासना करने और शुद्ध सात्विक भोजन अपनाने का संदेश दिया गया। साथ ही आगामी अधिकमास में गरासिया घाट स्थित हर्बल गार्डन में आयोजित होने वाले दैनिक यज्ञ में सहभागिता का आह्वान किया गया। वहीं गायत्री जयंती-गंगा दशहरा तक अधिक से अधिक बच्चों को गायत्री चालीसा कंठस्थ कराने का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर शाजापुर की बेटी छवि सक्सेना को पायलट बनने और रागिनी भावसार को एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक मनोरमा सोनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित थे।

देवास के नन्हे गणितज्ञों का कमाल, बच्चों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बढ़ाया शहर का मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के कालानी बाग यूसीमास सेंटर के नन्हे विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए देवास शहर का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया है। यूसीमास कालानी बाग की डायरेक्टर सोनल अग्रवाल ने बताया कि यूसीमास कोर्स के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 36 बच्चों ने 21वीं राज्य स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी अद्भुत मानसिक गणना क्षमता का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 1 मई 2026 को इंदौर में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में बच्चों को केवल 8 मिनट के भीतर गणित की 200 जटिल गणनाएँ हल करने का चुनौतीपूर्ण कार्य दिया गया। विशेष बात यह रही कि जिन सवालों को इतने कम समय में कैलकुलेटर की सहायता से हल करना भी कठिन माना जाता है, उन्हें इन नन्हे प्रतिभागियों ने बिना किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की मदद से मानसिक गणना एवं अबेकस तकनीक के माध्यम से सफलतापूर्वक हल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में रनर पोजीशन के अलावा 16 विद्यार्थियों – आद्या नाम्बियार, अलमीर खान, आरव जैन, अंश वर्मा, दैविक दुबे, दक्षित कुशवाह, गर्वी बटानिया, हर्ष रोजस्कर, हर्षिल दुबे, हर्षित केवटे, कामाक्षी सिसोदिया, मदीहा बेग, राघव सूर्यवंशी, रियार्थ सुमन, वामिका जोशी एवं यथर्व बीडवाल ने मेरिट रैंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं आर्या डोसी, ऐशल अली, अंश जोशी, अर्थ दोशी, दक्ष जोशी, दिव्यांश चालके, गौरी बर्डे, जित्विक सिंह पटले, लावण्या श्रीवास, मेधांश जोशी, मिर्जा नावेद बेग, मोहम्मद कबीर शेख, रीत शर्मा, रोहन नरवरिया, समर्थ नाथ, श्रेयांश बाला, वात्सल्य मंडलोई, विहान पटेल एवं वियांश पटेल को कंसोलेशन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अभय प्रशाल खेल परिसर, इंदौर में आयोजित भव्य समारोह में मिर्जा नावेद बेग एवं नक्ष ठाकुर को यूसीमास के सभी लेवल पूर्ण करने पर ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। यूसीमास कालानी बाग देवास परिवार ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कुंए में गिरी तीन नीलगाय, दो घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम कलवा में शुक्रवार रात तीन नीलगायें एक कुएं में गिर गईं। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने करीब दो घंटे के रेस्क्यू आपरेशन के बाद तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ये गायें रातभर कुंए में रही। सुबह ग्रामीणों ने इनकी आवाज सुनी तब ऑपरेशन शुरू हो सका। ये नीलगायें किसान कमल पिता मानसिंह के खेत पर बने कुएं में गिबर गई थी। शनिवार दोपहर ग्रामीणों ने कुएं से उनकी आवाज सुनीं और तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी।

दो साल बाद दूर हुई नाराजगी, साथ रहने को राजी हुए पति-पत्नी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को आयोजित लोक अदालत में दो साल से अलग रह रहे एक दंपती ने आपसी समझौते के बाद फिर से साथ रहने का निर्णय लिया। लंबे समय से चल रहे पारिवारिक विवाद के कारण उनके बच्चे भी मानसिक रूप से परेशान थे। ग्राम कूड़ाना निवासी घनश्याम सौराष्ट्रीय ने अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए कुटुंब न्यायालय में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 9 के तहत दांपत्य जीवन की पुनर्स्थापना हेतु वाद दायर किया था। यह प्रकरण लोक अदालत में सुनवाई के लिए पहुंचा। लोक अदालत में न्यायालय द्वारा दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई गई और उन्हें समझाया गया। काफी देर तक चली चर्चा और समझाइश के बाद पति-पत्नी ने पुराने मतभेद भुलाकर पुनः साथ रहने पर सहमति जताई। दोनों ने आपसी राजीनामा प्रस्तुत करते हुए अपने वैवाहिक जीवन को नई शुरुआत देने का निर्णय लिया। इस दौरान अदालत परिसर में सौहार्दपूर्ण माहौल रहा। प्रकरण में घनश्याम सौराष्ट्रीय की ओर से अधिवक्ता गिरीश लवरिया, राहुल यादव और सोना बेकी उपस्थित थे।

तीन दिन बाद धतरावदा से मिली नाबालिग, पुलिस ने 5 हजार इनामी आरोपी को भी किया गिरफ्तार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। तीन दिन से अपने घर से लापता नाबालिग को मोहन बड़ोदिया पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने युवती को ले जाने वाले पांच हजार के इनामी बदमाश को भी गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 6 मई को फरियादी ने मोहन बड़ोदिया थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री शाम को अपनी मां को खेत से बुलाने गई थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों को आशंका थी कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने मामले में धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी यशपालसिंह राजपूत ने बालिका की शीघ्र तलाश के लिए 5 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। इसके बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों, सहपाठियों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की। जिला साइबर सेल की मदद से तकनीकी साक्ष्य भी जुटाए गए। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने राजगढ़ जिले के ग्राम धतरावदा में दबिश दी।

आयुक्त ने किया वार्ड 19 व 20 का औचक निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 19 एवं 20 का आयुक्त दलीप कुमार ने औचक निरीक्षण किया। आईटीआई चौराहा पर फव्वारे को भी देखा तथा उसमे सुधार करने हेतु कहा। वहीं आईटीआई कालेज के पास पान की गुमटी व ठेले हटाने के साथ ही आयुक्त द्वारा शासकीय व अशासकीय स्कुलों के आसपास 2 सौ मीटर की दूरी पर तंबाकु आदि का विक्रय करने पर तंबाकु नियंत्रण अधिनियम 2003 (कोटपा) के अन्तर्गत चालानी कार्रवाई करने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक भूषण पवार को दिए तथा रोड स्वीपींग तथा खुले स्थानों पर कचरा पाये जाने पर दरोगा को सफाई करवाने हेतु कहा। वार्ड 19 में नाले पर दोनो ओर जाली लगाने के निर्देश दिए तथा वार्ड में स्थित गार्डन को भी देखा तथा आसपास पडे सीएनडी वेस्ट को हटाने हेतु कहा। स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को सर्वेक्षण के तहत सभी तैयारियों पर फोकस करने हेतु निर्देश दिए।

आयुक्त ने सार्वजनिक स्थलों पर शौचालय, मुत्रालयों की सफाई प्रतिदिन करवाने के साथ ही वार्डों की नाला, नालियों की सफाई करने तथा नाला, नाली से निकलने वाली गाद को भी निगम के संसाधनों से तत्काल उठवाये जाने के निर्देश संबंधितों को दिए।

नेशनल लोक अदालत में 1716 प्रकरणों का निराकरण, 21 यूनिट रक्त संग्रहित

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायालय विदिशा के तत्वावधान में आज जिला एवं तहसील स्तर पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय परिसर विदिशा में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए 21 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शेख सलीम के मार्गदर्शन तथा श्री जी.सी. शर्मा, विशेष न्यायाधीश एवं जिला समन्वयक नेशनल लोक अदालत के कुशल निर्देशन में आयोजित इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया। जिला मुख्यालय विदिशा में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री आयुषोष मिश्र, विशेष न्यायाधीश श्री जी.सी. शर्मा, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री संतोष शर्मा, सचिव श्री राजेन्द्र सिंह दांगी सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, स्टॉफ एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय सहित सभी खंडपीठों पर नेशनल लोक अदालत आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला न्यायालय परिसर सहित जिले की सभी तहसील स्तरीय खंडपीठों पर नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई। जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। इस बार नेशनल लोक अदालत में 4119 लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस बार नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य ट्रैफिक चालानो के साथ राजस्व मामले भी रखे एवं निराकृत किये गये है।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अग्रवाल ने कहा कि यह लोक अदालत पक्षकारों के लिए एक वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इसमें पक्षकारों को हर प्रकार से जीत प्राप्त होती है। लोक अदालत की सबसे सुंदर बात है कि यहां कोई हारता नहीं है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने नेशनल लोक अदालत की रूपरेखा की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने न्यायालय परिसर में बैंक, नगर पालिका और विद्युत विभाग सहित सभी विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया और नागरिकों की समस्याएं सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। शुभारंभ अवसर पर श्री सत्य साई विधि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु गठित खण्डपीठों में नेशनल लोक अदालत मे आपसी समझौते के आधार पर निराकरण कराये जाने हेतु लंबित कुल 1866 प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के आधार पर किया गया और समझौता राशि 03 करोड़ 64 लाख 62 हजार 779 रूपये जमा कराई गई। इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत की खण्डपीठ के समक्ष कुल 2253 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया और समझौता राशि 02 करोड़ 96 लाख 79 हजार 68 रूपये जमा कराई गई। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत में कुल 4119 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 06 करोड़ 61 लाख 41 हजार 847 रूपये समझौता राशि जमा हुई।

स्वीकृत राशि से मिले विद्यार्थियों को सुविधाएं

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष ने उच्च शिक्षा मंत्री परमार को सौंपा मांग पत्र

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवीन कॉलेज के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा ने शुजालपुर विधायक व उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार को एक मांग पत्र सौंपा, जिसमें महाविद्यालय के विकास के लिए स्वीकृत राशि की शेष राशि का उपयोग भी विद्यार्थियों के लिए किया जाए ताकि वे सर्वसुविधा युक्त महाविद्यालय में उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकें।

श्री परमार जिला मुख्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने शाजापुर आए थे। जहां श्री कसेरा ने उन्हें अपना मांग पत्र सौंपा। जिसमें जिसमें प्रमुख रूप से महाविद्यालय में स्थित बास्केट बाल, बालीबाल और खो-खो ग्राउंड को सामने खाली जगह पर सिंथेटिक ग्राउंड बनाने का मांग की। यहां विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग चेंजिंग रुम, वाशरूम, खंबे एवं बिजली व्यवस्था की मांग की। जनभागीदारी अध्यक्ष विपुल कसेरा ने मंत्री जी को बताया कि महाविद्यालय सहित शाजापुर नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राएं उक्त पुराने ग्राउंड पर प्रतिदिन खेलने आते है एवं वर्तमान ग्राउंड के पीछे की तरफ उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से स्वीकृत 7 कमरे, 4 लेब, एक सेमिनार हाल का निर्माण हो रहा है जो बनने के बाद बिल्कुल ग्राउंड के पीछे आयेगा जिससे उक्त भवन में जाने आने में उक्त ग्राउंड में से ही जाना आना होगा एवं उक्त निर्माण कार्य की स्वीकृत राशि में ही नए ग्राउंड का निर्माण किया जा सकता है, क्योंकि स्वीकृति राशि अधिक है एवं टेंडर कम राशि का हुआ है जिसमें शेष बची राशि का उक्त नए सिंथेटिक ग्राउंड का निर्माण संभव है एवं वर्तमान समय में सभी जगह सिंथेटिक ग्राउंड बन रहे है जिससे खिलाड़ियों को चोटिल होने का जोखिम कम हो सकेगा। वहीं सुविधा मिलने से जिले के खिलाड़ी संभाग, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर सकेंगे। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा ने महाविद्यालय में स्थाई कर्मचारी की कमी है उनकी शीघ्र नियुक्ति एवं महाविद्यालय का कन्या छात्रावास का कार्य पूर्ण होने पर है जो अगले सत्र से प्रारंभ हो जाएगा उसकी मूलभूत सुविधाओं की भी पूर्ति की जाए। इस पर श्री परमार ने उक्त मांगो को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन जनभागीदारी अध्यक्ष को दिया है।

लड़ते-लड़ते सड़क पर आए मवेशी, हादसे में डेढ़ साल की बालिका की हुई मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम मझानिया में शादी में जा रहा एक परिवार हादसे का शिकार हो गया, जिसमें उनके घर का चिराग बुझ गया। वहीं हादसे में माता-पिता भी घायल हो गए, जिनका उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

हादसा बालाजी होटल मझानिया जोड़ के पास हुआ, जहां बाइक अचानक सड़क पर आए मवेशी से टकरा गई। हादसे में बच्ची के माता-पिता भी घायल हो गए। पुलिस के अनुसार इंदौर निवासी राजू जाटव अपनी पत्नी दीपाली जाटव और डेढ़ साल की बेटी राजंदी के साथ बाइक से गुना शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान मझानिया जोड़ के पास उनकी बाइक सड़क पर आए मवेशी से टकरा गई। टक्कर के बाद तीनों सड़क पर गिर गए। हादसे में बच्ची राजंदी के सिर में गंभीर चोट आई। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं माता-पिता भी घायल हो गए जिनका उपचार फिलहाल जिला अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के बाद परिवार ने करीब आधे घंटे तक 112 और 108 एंबुलेंस को फोन किया, लेकिन मदद नहीं पहुंची। बाद में वहां से गुजर रहे लोगों ने निजी एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायलों को शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डाक्टरों ने बच्ची को बचाने की कोशिश की, लेकिन गंभीर चोट के कारण उसकी मौत हो गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026/1274 — शाजापुर, दिनांक 05.05.2026

भवन/भूमि नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि नगरीय क्षेत्र शाजापुर के अंतर्गत मकान/प्लाट आदि के लिए आवेदन पत्र मप्र नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत प्रस्तुत किए गए हैं, उक्त मकान/प्लाट के नामांतरण में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाण के आपत्ति लिखित रूप में विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अंदर कार्यालय नगर पालिका परिषद शाजापुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें, निश्चित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा. नियमानुसार नामांतरण की कार्यवाही की जाएगी, सो सूचित हो.

क्र.	पृ.क्र.	आवेदनकर्ता का नाम व पता	संपत्ति हस्तांतरणकर्ता का नाम	वार्ड क्र./क्षेत्र	भवन/भूमि	नामांतरण का आधार
1	291/26X7	कैलाशचंद्र राजारिया पिता गांगीलाल, आदर्श नवीन नगर शाजापुर	अफराद एहमद कुरैशी आदि पुत्रगण करम एहमद कुरैशी, मगरिया शाजापुर	26, के के स्टेट	भूमि, भूखंड क्र 89	रजिस्ट्री
2	292/26X7	फरीदा बी पति शेख सईद, सुनेरा, शाजापुर	गुलाब बेग मिर्जा पिता अजगर बेग, जुगनवाड़ी शाजापुर	4, जाकीर हुसैन मार्ग	भूमि, भूमि सर्वे क्र 135/3/मिन 9/1/1/2/2	रजिस्ट्री
3	293/26X7	हरजाना बी मो. सलीम, हुजूर भोपाल	मोहम्मद आमीन पिता सुल्तान मो. अंसारी, इंदौर	09, दायरा	भवन क्र 6	रजिस्ट्री
4	294/26X7	श्यामू बाई जाट पति राजाराम, ग्राम लोंधिया	राजीव, कृष्णा पिता स्व. रगेशचंद्र द्विवेदी, उज्जैन	27, एबी रोड	भूमि, भूमि सर्वे क्र 07/1/1	रजिस्ट्री
5	295/26X7	निधि पति गौरव शर्मा, विजय नगर शाजापुर	महक पिता आशुतोष चत्तर, सिद्धार्थ नगर, शाजापुर	28, सिद्धार्थ नगर के पीछे	भूखंड क्र 34	रजिस्ट्री
6	296/26X7	ममता पति दिलीप कुमार परियाणी शाजापुर	शकुंतला पति राजनारायण चौहान शाजापुर	01, उमिया धाम कॉलोनी	भूमि सर्वे क्र 263/2	रजिस्ट्री
7	297/26X7	मेघा गोस्वामी पति राहुल, लक्ष्मी नगर शाजापुर	राहुल पिता प्रहलाद सिंह परमार, शाजापुर	25, सरस्वती नगर	भूमि, भूमि सर्वे क्र 98/मिन-3/2/2/2/2	रजिस्ट्री
8	298/26X7	सुशीला बाई पति बलराम जाटव, काली़वाड़ा, शाजापुर	मुश्ताक एहमद पिता उस्मान खां, मगरिया शाजापुर	25, सरस्वती नगर	भूमि सर्वे क्र 272/1/1/1	रजिस्ट्री
9	299/26X7	शेरू शाह पिता गफ्फूर शाह, महूपुरा शाजापुर	शब्बीर खां पिता शबराती खां अंसारी, हरायपुरा, शाजापुर	25, रामदयाल नगर के पीछे	भूमि सर्वे क्र 166	रजिस्ट्री
10	300/26X7	अ. अजीज मंसूरी, अ. सलाम, मोहम्मद शाबिर पिता अ. वहीद, शाजापुर	स्व. अ. वहीद पिता काले खां, जाकीर हुसैन मार्ग शाजापुर	06, जाकीर हुसैन मार्ग	भवन क्र 77	फौती नामांतरण

प्रेम जैन, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद शाजापुर | दिनेश सौराष्ट्रीय, प्रभारी, राजस्व एवं वित्त लेखा, नगर पालिका परिषद शाजापुर | भूपेंद्र कुमार दीक्षित, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद शाजापुर

बदनावर सब्जी मंडी में बिजली कांड

10 साल से सरकारी खजाने पर करोड़ों का भार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी बदनावर में सरकारी धन के खुलेआम दुरुपयोग और बंदरबांट का एक सनसनीखेज मामला उजागर हुआ है। सूचना के अधिकार से हुए खुलासे के अनुसार, पिछले एक दशक से मंडी प्रशासन ने सब्जी मंडी के व्यापारियों को मुफ्त बिजली की खैरात बांटी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि नियम विरुद्ध तरीके से लुटाए गए इस जनधन की वसूली क्या उन जिम्मेदार अधिकारियों से की जाएगी, जिनके संरक्षण में यह पूरा खेल चलता रहा?

व्यापारियों की नहीं, मंडी प्रशासन की लूप लाइन ने डुबोया पैसा - मामले की गहराई में जाने पर पता चलता है कि इसमें व्यापारियों की कोई गलती नजर नहीं आती। मंडी समिति ने इन व्यापारियों से लाइसेंस के नाम पर तो लाखों रुपए वसूले, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के नाम पर उन्हें अंधेरे में रखा। हकीकत तो यह है कि अगर मंडी प्रशासन सब्जी व्यापारियों को समय पर बिजली के मीटर उपलब्ध करवाता, तो व्यापारी नियमानुसार भुगतान करने से कभी पीछे नहीं हटते। यह अधिकारियों की घोर लापरवाही ही थी कि 10 साल बीत जाने के बाद भी उन्हें मीटर आवंटित नहीं किए गए। इसे मंडी के जिम्मेदार अधिकारियों की अक्षमता कहें या जानबूझकर छोड़ी गई लूप लाइन, जिसकी वजह से आज सरकार को करोड़ों का चूना लग रहा है।

मंडी परिसर के टीन शेड और डोम में स्थित दुकानों में कंप्यूटर और अन्य उपकरणों का उपयोग हो रहा है तो कुछ में एसी भी लगे थे। लेकिन यहाँ आज तक मीटर नहीं लगाए गए। इन दुकानों की बिजली का बिल मंडी के मुख्य मीटर के साथ जुड़कर आता रहा, जिसे मंडी प्रशासन बिना किसी ऑडिट आपत्ति के सरकारी मद से भरता रहा। सूत्रों का दावा है कि पिछले 10 वर्षों में यह भ्रष्टाचार का आंकड़ा करोड़ों रुपयों की सीमा लांघ चुका है, जिसका बोझ अंततः जनता की जेब पर पड़ा है।

मध्य प्रदेश शासन के वित्तीय नियमों के अनुसार, किसी भी लोक सेवक को यह अधिकार नहीं है कि वह अपने पद का उपयोग किसी निजी व्यक्ति को आर्थिक लाभ पहुँचाने के लिए करे। यदि अधिकारियों की मिलीभगत से राजस्व की हानि होती है, तो उस पूरी राशि की वसूली संबंधित अधिकारी के वेतन या संपत्ति से करने का स्पष्ट प्रावधान है। व्यापारियों से लाइसेंस शुल्क लेना और फिर उन्हें अवैध तरीके से बिजली देना वित्तीय अनियमितता और अमानत में ख्यानत की श्रेणी में आता है।

जब विभाग से इन दुकानों के बिजली कनेक्शन और भुगतान का ब्यौरा मांगा गया, तो विभाग ने रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है का रटा-रटाया जवाब देकर पल्ला झाड़ लिया। यह गोलमोल जवाब ही इस बात की पुष्टि करता है कि बड़े स्तर पर गड़बड़ी हुई है और अब अपनी गर्दन बचाने के लिए कागजों को छुपाने की कोशिश की जा रही है।

विभागीय लीपापोती से असंतुष्ट होकर अब यह मामला राज्य सूचना आयोग, भोपाल में है। यदि आयोग इस मामले में कड़ा रुख अपनाता है, तो बदनावर मंडी के उन अधिकारियों पर गाज गिरना तय है जिन्होंने 10 सालों तक नियमों को ताक पर रखकर सरकारी खजाने को नुकसान पहुँचाया।

उक्त मामले को प्रकाश में लाने वाले मालवा हेराल्ड के पत्रकार एवं स्वतंत्र प्रेस क्लब बदनावर अध्यक्ष मनीष शर्मा का कहना है कि यह पूरी तरह से मंडी अधिकारियों का खेल है। सरकारी पैसा जनता की अमानत है और हम मांग करते हैं कि शासन उन सभी अधिकारियों को चिह्नित करे जिन्होंने जानबूझकर यह व्यवस्था बनाए रखी। उन सभी से इस नुकसान की वसूली कर राजकोष में जमा कराई जाए।

धर्म नगरी बखतपुरा में उमड़ा उत्साह

नवरंग मित्र मंडल के शिविर में 90 यूनिट रक्तदान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर के समीपस्थ ग्राम बखतपुरा, जिसे क्षेत्र में धर्म नगरी के रूप में पहचाना जाता है, वहाँ सेवा और समर्पण का अनूठा संगम देखने को मिला। यहाँ नवरंग मित्र मंडल के तत्वावधान में लगातार तीसरे विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन शुक्रवार, 8 मई 2026 को किया गया। शिविर की सबसे खास बात यह रही कि युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और समाजसेवा का एक प्रेरणादायी संदेश दिया। रक्त संग्रह का महत्वपूर्ण कार्य मानव सेवा समिति, रतलाम की विशेषज्ञ टीम द्वारा संपन्न किया गया। दिनभर चले इस शिविर में कुल 90 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इस अवसर पर मानव सेवा समिति रतलाम के सदस्य श्री मोहनलाल जी पाटीदार एवं बक्शी जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रत्येक रक्तदाता का उत्साहवर्धन करते हुए इस पुनीत कार्य की सराहना की।

शिविर को सफल बनाने में नवरंग मित्र मंडल के समस्त सदस्यों ने जी-जान से सहयोग किया। सफल आयोजन पर मंडल अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी ने टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में मुख्य रूप से हरिओम पाटीदार एवं हरिओम गायक, श्रीपाल, अजय और चेतन

अजय अमृत, ऋषि एवं उमेश, अजय मदन, प्रदीप, अंकित, तरुण, गोपी, दिलीप और आनंदीलाल का विशेष सहयोग रहा।

आयोजकों ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता पैदा करना और भविष्य के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था।

चंडीगढ़ में चमका पीपलिया शाह का सितारा, फैजल खान ने जीता सिल्वर मेडल

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पीपलिया शाह पचैती डेम के होनहार खिलाड़ी फैजल खान ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध सुखना लेक में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोइंग चैंपियनशिप में फैजल खान ने सिल्वर मेडल जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की।

फैजल खान ने डबल स्कल बोट कैटेगरी की 2000 मीटर रेस में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में देशभर की कई नामी विश्वविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें एलपीयू और पीयूसी जैसी मजबूत टीमें शामिल थीं। कठिन मुकाबले के बीच फैजल खान ने अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया।

फैजल खान वर्तमान में भोपाल स्थित रवींद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस सफलता के पीछे कोच अर्जुन सिंह का विशेष मार्गदर्शन और खिलाड़ी की कड़ी मेहनत रही।

फैजल खान आगर जिले के ग्राम पीपलिया शाह निवासी हैं तथा उनके पिता का नाम साबिर खान है। बेटे की इस उपलब्धि से परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। खेल प्रेमियों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने फैजल खान को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

बदनावर जनता अब धरातल के शेर की तलाश में

सचिन वासुदेव पाटीदार जैसे अन्य युवा को भी आना पड़ेगा मैदान में

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकतंत्र में जनता को जनार्दन कहा जाता है, लेकिन आज बदनावर की गलियों में यही जनार्दन गैस की एक-एक टंकी और अपनी बुनियादी आवाज़ के लिए दर-दर भटक रहा है। विडंबना देखिए, क्षेत्र में कद्दावर नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, बड़े-बड़े नाम हैं, और ऊंची पहुंच के दावे हैं। लेकिन जब बात जनता के आंसू पोंछने की आती है, तो ये सूरमा केवल सोशल मीडिया के पोस्ट तक सिमट कर रह जाते हैं। बदनावर को अब एसी कमरों में बैठकर रणनीति बनाने वाले सिपहसालारों की नहीं, बल्कि उस जननायक की जरूरत है जो जनता के हक के लिए सड़क पर उतरकर व्यवस्थाओं से आंख मिला सके।

बदनावर की राजनीति फिलहाल दो पाटों के बीच पिस रही है। एक तरफ सत्तापक्ष के कद्दावर नेता हैं, जिनकी निष्ठा जनता से ज्यादा अनुशासन और अपनी सरकार के प्रति है। जनता गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों से कराह रही है, लेकिन ये जनप्रतिनिधि अपनी ही सरकार के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। मानो जनता की समस्या से बड़ा कुर्सी का मोह हो गया हो। दूसरी ओर विपक्ष की स्थिति और भी दयनीय है। गिनती के एक-दो चेहरों को छोड़ दिया जाए, तो बाकी जनप्रतिनिधि में न तो वह धार बची है और न ही वह काबिलियत, जो सरकार को घुटनों पर ला सके। विपक्ष का काम केवल विरोध दर्ज कराना नहीं, बल्कि समाधान के लिए संघर्ष करना होता है, जिसमें बदनावर का विपक्ष पूरी तरह विफल नजर आ रहा है।

बदनावर की इस खामोश राजनीति के बीच उम्मीद की एक किरण भी दिखाई देती है। जब-जब युवाओं ने कमान संभाली है, व्यवस्थाओं को झुकना पड़ा है। इसका ताजा और जीवंत उदाहरण सचिन वासुदेव पाटीदार जैसे युवाओं की सक्रियता है। सचिन पाटीदार ने जिस तरह से किसान हित में राजनीति का श्री गणेश किया और सीधे खेतों से लेकर दफ्तरों तक किसानों की लड़ाई लड़ी, उसका सीधा फायदा क्षेत्र के अन्नदाताओं को मिला है। इसी प्रकार सचिन वासुदेव पाटीदार की सक्रियता केवल सरकारी दफ्तरों या किसान आंदोलनों तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट के समय वे एक परिवार के सदस्य की तरह खड़े नजर आए। इसका सबसे बड़ा और भावुक उदाहरण नन्ही बच्ची अनिका शर्मा के इलाज के दौरान देखने को मिला। जब अनिका के जीवन को बचाने के लिए बड़े आर्थिक सहयोग की दरकार थी, तब सचिन वासुदेव पाटीदार ने राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। क्षेत्र के घर-घर जाकर और लोगों को एकजुट कर लाखों रुपए का सहयोग दिलाने में उन्होंने जो महती भूमिका निभाई, वह आज किसी से छुपी नहीं है। एक जनप्रतिनिधि का असली धर्म यही है–कि वह केवल वोट के लिए नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र के एक-एक व्यक्ति की जान और सम्मान के लिए खड़ा हो। यह इस बात का प्रमाण है कि अगर नियत साफ हो और नेतृत्व युवा हो, तो बड़े से बड़े कद्दावर नेताओं के बीच भी अपनी जगह बनाई जा सकती है और जनता को राहत दिलाई जा सकती है।

किसान हितों की तर्ज पर ही अब बदनावर की जनता चाहती है कि वर्तमान में जारी गैस की किल्लत और प्रशासनिक सुस्ती के खिलाफ भी युवा नेतृत्व अगली कतार में खड़ा हो। सोशल मीडिया पर कई नेताजी आक्रोश में दीखते है, लेकिन जमीन पर वह नदारद है। अब वक्त आ गया है कि क्षेत्र के अन्य सक्षम और ऊर्जावान युवा भी सचिन पाटीदार की तरह राजनीति के मैदान में उतरें। जनता को अब ऐसे चेहरों की जरूरत है जो अगली पंक्ति में खड़े होकर सीधे प्रशासन की आंखों में आंखें डालकर आमजन की समस्याओं का हिसाब मांग सकें।

बदनावर की जनता अब जाग चुकी है। उसे टिकट लेकर आने वाला नेता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी उठाने वाला बेटा चाहिए। जनता को एक ऐसे योग्य जनप्रतिनिधि की तलाश है जो जमीन से जुड़ा हो जो दफ्तरों में नहीं, बल्कि सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्या सुने। निडर और बेबाक हो, जो जनता के हित में एड़ी-चोटी का जोर लगा दे। समस्या का हल निकाले, जो केवल ज्ञापन सौंपकर इतिश्री न करे, बल्कि समाधान होने तक चैन से न बैठे।

बदनावर की धरती ने हमेशा संघर्षों को जन्म दिया है। कद्दावर होने का ठप्पा केवल होर्डिंग्स पर अच्छा लगता है, जनता के दिल में जगह बनाने के लिए संघर्ष की आग में तपना पड़ता है। वर्तमान के जनप्रतिनिधि अगर अब भी जनता के खाली गैस सिलेंडरों और उनकी सिसकियों के साथ खड़े नहीं हुए, तो आने वाले कल में यही जनता आपको हाशिए पर धकेलने में देर नहीं लगाएगी। बदनावर को दिखावे के नेता नहीं, दहाड़ने वाला जनसेवक चाहिए।

ज्ञान भारतम् मिशन सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की राष्ट्रीय पहल

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया ज्ञान भारतम् मिशन देश की प्राचीन पांडुलिपियों, दुर्लभ ज्ञान परंपराओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल के रूप में उभर रहा है। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के मार्गदर्शन में जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से संबंधित पांडुलिपियों को सुरक्षित एवं डिजिटाइज करने के उद्देश्य से ज्ञान भारतम् एप की प्रक्रिया पर आधारित एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन गूगल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, इतिहासविदों, शिक्षाविदों एवं विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए इस राष्ट्रीय अभियान को जन-आंदोलन बनाने पर बल दिया। ज्ञान भारतम् मिशन के जिला नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री शक्ति सिंह चौहान ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान एवं विज्ञान अत्यंत समृद्ध और विश्वविख्यात रहा है। भारतीय पांडुलिपियाँ हमारी बौद्धिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन केवल पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को भविष्य की पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाने का राष्ट्रीय अभियान है। बड़वानी जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक पांडुलिपियों का सर्वे कर उन्हें ज्ञान भारतम् एप के माध्यम से सुरक्षित डिजिटल स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

तपती धूप में राहगीरों का सहारा बनी नगर परिषद

महाराणा प्रताप चौक पर सुविधाओं का विस्तार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मई की झुलसाने वाली गर्मी और आसमान से बरसती आग ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। ऐसे में हाईवे रोड से गुजरने वाले यात्रियों और बस के इंतजार में खड़े रहने वाले आमजन की पीड़ा को समझते हुए नगर परिषद ने संवेदनशीलता दिखाई है। जनता की पुरजोर मांग पर परिषद द्वारा महाराणा प्रताप चौक (बड़ी चौपाटी) हाईवे रोड पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

बड़ी चौपाटी क्षेत्र हाईवे का मुख्य केंद्र होने के कारण यहाँ दिन भर यात्रियों का आवागमन बना रहता है। छाया की उचित व्यवस्था न होने के कारण अब तक यात्रियों, विशेषकर छोटे बच्चों और महिलाओं को खुले आसमान के नीचे बस का इंतजार करना पड़ता था। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए नगर परिषद ने यहाँ त्वरित रूप से विशाल चद्दर शेड का निर्माण करवाया है। नगर परिषद ने केवल छाया ही नहीं, बल्कि यात्रियों के पूर्ण आराम का ध्यान रखते हुए शेड के नीचे पर्याप्त संख्या में कुर्सियां लगाई गई हैं, ताकि बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को खड़े न रहना पड़े।

इस व्यवस्था के शुरू होने के बाद आज वहां मौजूद यात्रियों ने नगर परिषद का आभार व्यक्त किया। राहगीरों का कहना है कि ÷इस मार्ग पर छाया की बहुत अधिक आवश्यकता थी। 40 डिग्री से ऊपर के तापमान में बस का इंतजार करना सजा जैसा था, लेकिन अब शेड और ठंडे पानी की सुविधा से बड़ी राहत मिली है। नगर परिषद प्रशासन के अनुसार, शहर के अन्य व्यस्त चौराहों पर भी आवश्यकतानुसार ऐसी व्यवस्थाएं की जा रही हैं ताकि गर्मी के इस मौसम में किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। परिषद की इस पहल की नगर के प्रबुद्धजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी प्रशंसा की है।

विधायक शेखावत ने बुलाई अहम बैठक, जनप्रतिनिधि और व्यापारी होंगे शामिल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत के निर्देशानुसार क्षेत्र के विकास और स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक सोमवार, 11 मई 2026 को आयोजित होगी, जिसमें नगर और कृषि उपज मंडी से जुड़े प्रमुख विषयों पर चर्चा की जाएगी। विधायक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य कृषि उपज मंडी समिति बदनावर और नगर परिषद् बदनावर क्षेत्र की वर्तमान समस्याओं का समाधान खोजना है। बैठक में विकास कार्यों को गति देने के लिए उपस्थित सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किए जाएंगे, ताकि क्षेत्र की प्रगति के लिए एक ठोस रूपरेखा तैयार की जा सके। विधायक शेखावत ने बैठक में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न वर्गों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जनप्रतिनिधि, व्यापारीगण, नप अध्यक्ष एवं समस्त पार्षदगण निमंत्रित है। विधायक के निज सहायक आर.पी. सिंह ने बताया कि यह बैठक क्षेत्र के भविष्य और जनसुविधाओं की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से नियत समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

पक्षकारों के मध्य करवाया समझौता 19 लाख का अवार्ड हुआ पारित

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्याम लाल नावडे (मृतक) मोटर साईकिल से आ रहा था पीछे से अन्य तेज बाईक चालक ने टक्कर मार दी थी जिससे उसे चोट आई और उसे तत्काल प्राथमिक उपचार हेतु पलसुद हास्पिटल ले गये । वहाँ से हॉलत खराब होने से बड़वानी जिला चिकित्सालय रैफर किया गया उसकी हॉलत गंभीर हो गई । ईलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। मृतक के 04 अवयस्क बच्चे थे एवं पत्नी बेसहारा हो गई थी। मृतक की पत्नि सेंवतीबाई ने अधिवक्ता नानूराम यादव से सम्पर्क किया। अधिवक्ता ने पूरी घटना सुनी उनके द्वारा मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बड़वानी के न्यायालय में क्षतिपूर्ति राशि प्राप्ति करने हेतु वाद दायर किया था। जिसमें प्रतिप्रार्थी चोला मण्डल कम्पनी थी जिनके अधिवक्ता श्री डी.जे शर्मा थे। मामले को 09 मई 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में समझौते हेतु रैफर किया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री महेन्द्र कुमार जैन ने सुनकर आवेदिका एवं उनके अधिवक्ता श्री यादव एवं प्रतिप्रार्थी कम्पनी चोला मण्डल की ओर से डी.जे शर्मा उपस्थित हुए।

श्री माहेश्वरी समाज नागदा के आगामी सत्र के स्थानीय चुनाव सम्पन्न

बिसानी अध्यक्ष, मालपानी सचिव नियुक्त

अशोक बिसानी, अध्यक्ष | प्रकाश मालपानी, सचिव | सुधिर अजमेरा, कोषाध्यक्ष

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के निर्देशानुसार पुरे भारतवर्ष में स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकारी मंडल के चुनाव 15 मई 2026 तक सम्पन्न किये जाने है। इसी कड़ी में स्थानीय नागदा माहेश्वरी समाज के सभी पदो के चुनाव भी म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के चुनाव प्रभारी सतीश बजाज, उज्जैन जिला माहेश्वरी समाज चुनाव प्रभारी गोविन्दलाल मोहता, समाज समन्वय समिति के श्री गोपाल मोहता, जगदीशजी भुतड़ा, झमकलाल राठी एवं स्थानीय चुनाव अधिकारी व निर्वाचन अधिकारी श्री बंसीलाल राठी एवं रमेश मोहता के सघन निगरानी में महासभा के पुरे नियम व विधान से निर्विरोध रूप से सम्पन्न करवाये । इसमें आगामी सत्र के लिये निर्विरोध रूप से अध्यक्ष पद पर अशोक बिसानी, उपाध्यक्ष अजय भुतड़ा, जमना मालपानी, सचिव प्रकाश मालपानी, सहसचिव प्रतिक सोडानी, कोषाध्यक्ष सुधिर अजमेरा, संगठन मंत्री मनोज राठी (मारूति) एवं प्रचार मंत्री गोपाल गट्टानी एवं कार्यकारिणी का सफल गठन किया गया।

साथ ही प्रदेश एवं जिला प्रतिनिधि में गोपाल मोहता, आनन्दीलाल गगरानी, प्रतीक गगरानी, जगदीश भूतड़ा, घनश्याम राठी, देवकरण डांगरा, नाथुलाल बांगड, राजेन्द्र मालपानी, महेन्द्र बिसानी, राजकुमार मोहता, प्रशान्त राठी, सौरभ मोहता, प्रियेश मोहता, बसन्त मालपानी, नन्दकिशोर मालपानी, बंशीलाल गट्टानी, घनश्याम राठी बिरलाग्राम, महेश झँवर, सुभाष गगरानी, विरेन्द्र मालपानी, दिलीप मालपानी, दुर्गाप्रसाद खटोड़ एवं नितेश राठी का मनोनयन किया गया।

आगामी कार्यकाल का सफल संचालन हेतु अध्यक्ष बिसानी की पुरी टीम का शपथ ग्रहण दिनांक 23/06/2026 महेश नवमी के अवसर पर विधिवत किया जायेगा।

इस पुरी प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से सम्पन्न करवाने पर माहेश्वरी समाज नागदा के सभी संगठनो के अध्यक्षो एवं सदस्यो ने चुनाव अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया एवं हर्ष व्यक्त करते हुए नवीन कार्यकारिणी के सदस्यो को शुभकामनाएँ प्रेषित की। उपरोक्त जानकारी समाज अध्यक्ष घनश्याम राठी एवं सचिव प्रतीक गगरानी ने दी ।

ग्राम सरवना में युवक की हत्या घर में मिली लाश

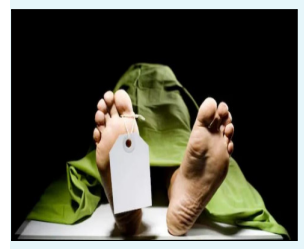

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल ग्राम सरवना में एक युवक लाश मिलने से गांव में सनसनी फैल गई हत्या बीती रात की बताई जा रही है जहां युवक को डंडो से पीटकर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है घर से बदबू आने पर ग्रामीणों को जानकारी लगी गांव के चौकीदार द्वारा उन्हेल पुलिस को सूचना दी उन्हेंल पुलिस मौके पर पहुंची जहां मौके पर युवक शव लथपथ खून से सना हुआ पलंग पर पड़ा था उन्हेल पुलिस ने एफएसएल टीम को सूचना दी सूचना पर टीम पहुंची और मृतक की पहचान रतनलाल पिता रघुनाथ 40 वर्षीय बागरी के रूप में हुई है थाना प्रभारी संतोष चौहान ने बताया कि मृतक के सर पर डंडे से वार किए जाने के निशान मिले हैं हत्या करीब बीती रात शुक्रवार बताई जा रही है हत्या किन कारण से हुई इसको लेकर पुलिस जांच में जुटी है इसका स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा थाना प्रभारी ने बताया कि रतनलाल कई आपराधिक मामलों में शामिल था और करीब 11 महीने पहले ही जेल से छूटकर बाहर आया था मृतक कि पत्नी ग्राम बरखेड़ा नजिक अपने पिता के यहां चार बच्चों के साथ रहती थी पुलिस ने मौके पर सूचना देकर बुलाया गया जानकारी के अनुसार मृतक का मामला जमीन विवाद को लेकर भी चल रहा था जिसको लेकर युवक कि हत्या करने कि आशंका जताई जा रही है हालांकि पुलिस द्वारा गांव के आसपास लोगों से पुछताछ कर मामले कि जांच में जुटी है मृतक का पीएम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

बढ़ती गर्मी एवं लू से बचाव हेतु कलेक्टर की आमजन से अपील

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में लगातार बढ़ते तापमान एवं तेज गर्मी को देखते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। कलेक्टर ने कहा है कि वर्तमान में जिले के अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों की ओपीडी में लू (हीट स्ट्रोक) एवं शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। पिछले कुछ दिनों में चक्कर आना, कमजोरी, उल्टी, बुखार एवं बेहोशी जैसी शिकायतों वाले मरीज अधिक संख्या में सामने आए हैं।

कलेक्टर ने बताया कि विशेष रूप से बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ, छोटे बच्चे तथा शुगर, बीपी, हृदय रोग एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति अधिक जोखिम में हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि गर्मी को सामान्य रूप से न लें तथा लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह प्राप्त करें। कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को तेज बुखार, चक्कर आना, अत्यधिक कमजोरी, सिरदर्द, उल्टी, तेज प्यास लगना, शरीर अत्यधिक गर्म लगना, बेहोशी अथवा घबराहट जैसे लक्षण दिखाई दें, तो यह लू एवं डिहाइड्रेशन के संकेत हो सकते हैं। समय पर उपचार नहीं मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है। उन्होंने नागरिकों से दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की है। बाहर जाते समय सिर को गमछे, कपड़े या टोपी से ढकने, अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पीने तथा ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी है।

श्री महावीर विद्यालय आलोट में खेल परिसर का भव्य उद्घाटन, कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल डॉ. थावरचंद गहलोत हुए शामिल

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. थावरचंद गहलोत के गरिमामय आगमन से श्री महावीर विद्यालय में आयोजित खेल परिसर उद्घाटन एवं अभिनंदन समारोह उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। महामहिम राज्यपाल डॉ. थावरचंद जी गहलोत ने खेल परिसर का फीता खोलकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत, मंडल अध्यक्ष दिलीप डोडिया सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का घोष वादन, तिलक एवं पुष्प अभिनंदन के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात नवीन खेल परिसर का शुभारंभ हुआ। विद्यालय द्वारा ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों एवं अभिभावकों के लिए विशेष रूप से खेल परिसर खोला जा रहा है, जिसमें ओपन जिम, छोटे बच्चों हेतु झूले एवं फिसलपट्टी तथा क्रिकेट ग्राउंड नेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

संस्था अध्यक्ष डॉ. शिखर जैन ने बताया कि 7 एवं 8 मई को आयोजित खेल, व्यायाम एवं योग गतिविधियों में बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने बताया कि प्रातः 5-30 बजे आयोजित योग सत्र में बच्चों, शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ सदस्यों की सहभागिता अत्यंत प्रेरणादायक एवं ऊर्जा से भरपूर रही।

खेल परिसर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल कर्नाटक डॉ. थावरचंद जी गहलोत ने दा साब स्वर्गीय कुंदनमल जी जैन को स्मरण करते हुए पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने कहा कि उनका श्री महावीर विद्यालय परिवार से लगभग 46 वर्षों पुराना आत्मीय संबंध रहा है। उन्होंने भावुकता के साथ कहा कि विद्यालय आने का कार्यक्रम लंबे समय से लंबित था, जो आज लगभग आठ वर्षों बाद पूर्ण हो सका। राज्यपाल महोदय ने संस्था द्वारा शिक्षा, संस्कार, खेल एवं योग के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। बच्चों, शिक्षकों एवं प्रबंधन द्वारा किए जा रहे कार्यों को उपस्थित सभी अतिथियों ने सराहा।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए संस्था अध्यक्ष डॉ. शिखर जैन ने विद्यालय की विकास यात्रा का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं प्राचार्य मनोज शर्मा ने राज्यपाल डॉ. थावरचंद जी गहलोत का विस्तृत परिचय प्रस्तुत करते हुए उन्हें देश के विशिष्ट नेताओं में बताया तथा उनके व्यवहारिक एवं आत्मीय व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख किया। समारोह के दौरान राष्ट्रगान सस्वर पूर्ण वंदे मातरम् का गायन किया गया, जिसने पूरे वातावरण में सहज राष्ट्रभक्ति का संचार कर दिया। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में नंदनराज जैन, दिलीप डोडिया, उपेंद्रसिंह यादव, अनिल भरावा, नंदलाल जोशी, अभिषेक जैन, दिनेश कोठारी, संस्था कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन, सचिव सिरेमल भंडारी, रामप्रसाद मुनीम सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिखा शर्मा एवं नीरज जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन समिति सदस्य मनीष सेठिया ने माना।

कलेक्टर ने हीट स्ट्रोक से बचाव एवं उपचार व्यवस्थाओं की समीक्षा की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बढ़ते तापमान एवं लू (हीट स्ट्रोक) की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा शनिवार शाम जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में की गई तैयारियों की समीक्षा हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस में सिविल सर्जन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, समस्त बीएमओ एवं मेडिकल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में कलेक्टर ने सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में हीट स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने हीट स्ट्रोक वार्ड में पर्याप्त बेड, आवश्यक दवाइयों एवं किट की उपलब्धता की जानकारी ली। साथ ही ओआरएस पाउच, आईवी फ्लूड, आईस पैक, कूलर, पेयजल एवं पंखों सहित अन्य आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में प्राथमिक स्तर पर संपूर्ण तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं, ताकि मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में निर्देश दिए गए कि प्रत्येक स्वास्थ्य संस्था में हीट स्ट्रोक से संबंधित मरीजों की जानकारी, लक्षण एवं उपचार का समुचित रिकॉर्ड रखा जाए तथा प्रतिदिन मरीजों एवं मृत्यु संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सभी बीएमओ, एमओआईसी एवं सेक्टर सुपरवाइजरों को लू से बचाव एवं उपचार संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कॉर्नर स्थापित करने तथा बच्चों एवं वृद्धजनों जैसे संवेदनशील आयु वर्ग के उपचार हेतु विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने सिहोरा क्षेत्र में गेहूं खरीदी केंद्रों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने आज सिहोरा विकासखंड के घाट सिमरिया और गौरहा स्थित गेहूं खरीदी केंद्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं की गुणवत्ता जांचने के लिए मॉइश्चर माप की प्रक्रिया देखी और तौल कांटों का भौतिक सत्यापन कराया। कलेक्टर श्री सिंह ने केंद्र पर बारदाने की उपलब्धता, भंडारण व्यवस्था और सुरक्षा हेतु लगे सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन करने के साथ ही स्टॉक वेरिफिकेशन के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने खरीदी केंद्र पर उपस्थित किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया।

गौरहा स्थित खरीदी केन्द्र में 300 ग्राम अधिक तौल पर संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि इसका पंचनामा बनाये और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता हो और यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई गई, तो संबंधित के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने केंद्र प्रभारियों को परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने और किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम श्रीमती ज्योति परस्ते, सहायक आपूर्ति नियंत्रक श्री प्रमोद मिश्रा, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे।

मां बगलामुखी मंदिर की पार्किंग व्यवस्था बनी विवादों का केंद्र

पार्किंग कर्मचारियों की मनमानी से श्रद्धालुओं में बढ़ा आक्रोश

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुसनेर विधानसभा के नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर परिसर की पार्किंग व्यवस्था लगातार विवादों में बनी हुई है। पार्किंग ठेकेदार एवं कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों द्वारा लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। शनिवार को पार्किंग कर्मचारी और एक बस चालक के बीच हुए विवाद एवं हाथापाई की घटना के बाद पूरे मामले ने फिर तूल पकड़ लिया। घटना के चलते मंदिर परिसर के बाहर कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई, जिससे दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पार्किंग को लेकर बस चालक और कर्मचारी के बीच पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में विवाद में बदल गई। मामला बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभालने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया। बाद में मामले में आपसी राजीनामे की बात सामने आई।

घटना के बाद श्रद्धालुओं में पार्किंग व्यवस्था को लेकर आक्रोश देखा गया। लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर में आए दिन कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। कई बार वाहन चालकों और श्रद्धालुओं से तीखी बहस की स्थिति बन जाती है, जिससे मंदिर का माहौल भी प्रभावित हो रहा है। श्रद्धालुओं का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार दिखाई नहीं दे रहा।

कुछ दिन पूर्व भी पार्किंग कर्मचारियों द्वारा एक श्रद्धालु की गाड़ी की चाबी निकालने और विवाद करने का मामला सामने आया था। लगातार हो रही घटनाओं के कारण अब स्थानीय लोगों ने पार्किंग ठेके की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया तो आने वाले समय में कोई बड़ा विवाद या अप्रिय स्थिति भी निर्मित हो सकती है।

इधर मां बगलामुखी मंदिर प्रबंध समिति द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि नलखेड़ा क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों, सार्वजनिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों तथा शमशान आदि में जाने वाले वाहनों से किसी प्रकार का पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। साथ ही नियमों के विरुद्ध कार्य करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर परिसर की पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाया जाए, कर्मचारियों के व्यवहार पर निगरानी रखी जाए तथा भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण वातावरण में दर्शन का लाभ मिल सके।

इनका कहना

पार्किंग विवाद की जानकारी सामने आई है। मामले की जांच करवाई जाएगी तथा सीसीटीवी फुटेज भी देखे जाएंगे। यदि जांच में संबंधित कर्मचारी या ठेकेदार दोषी पाया जाता है तो ठेका निरस्त करने सहित नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

-कमल मंडलोई,
अध्यक्ष बगलामुखी मन्दिर

पार्किंग विवाद के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे। वहां आपसी चर्चा के बाद दोनों पक्षों ने राजीनामा कर लिया है। मामले में फिलहाल किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

-नागेश यादव,
थाना प्रभारी नलखेड़ा

हर जरुरतमंद को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ - ऊर्जा मंत्री

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को रेसकोर्स रोड स्थित अपने सरकारी कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आमजनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में कार्यरत दतिया के कर्मचारी सानू ख़ान की पत्नी को 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि का चैक भी प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हर जरुरतमंद को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्रदेश सरकार का संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देते हुए समस्याओं का समाधान निर्धारित समय-सीमा में करने की बात कही। ऊर्जा मंत्री ने जनसुनवाई में आई जरुरतमंद महिलाओं को तत्काल राशन दिलाने के निर्देश के साथ ही वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन तथा मुफ्त इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए हर जिला, तहसील स्तर पर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इस दिशा में सरकार सतत प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा विकास का यह सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है।

संगठन कामकाज में बुरहानपुर जिला प्रदेश का प्रथम जिला बनना चाहिए . संभागीय प्रभारी श्री सुरेन्द्र शर्मा शिवपुरी

जिला वर्ग को लेकर बैठक में संगठन में कसावट लाने का जनप्रतिनिधीयों एवं संगठन पदाधिकारीयों ने दिया मंत्र

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुरहानपुर जिले की बैठक श्री अटल बिहारी वाजपेई मंडल (दर्यापुर मंडल) अंतर्गत सांडस स्थित विज्ञान केन्द्र पर आयोजीत की गई। इस बैठक को प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष एवं निमाड संभाग के प्रभारी श्री सुरेन्द्र जी शर्मा शिवपुरी, जिले के प्रभारी श्री क्षितिज भटट , सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील, जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज जी माने , प्रदेश भाजपा प्रवक्त्ता , पूर्व मंत्री,विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस , नेपा विधायक मंजु दादु, महापौर श्रीमती माधुरी अतुल पटेल, अनुसूचित जाती मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा कास्डेकर,जिला पंचायत अध्यक्ष गंगाराम मार्को , किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मनोज लधवे,पावरलुम फेडरेशन अध्यक्ष जयंती भाई नवलखे, जिला महामंत्री चिंतामन महाजन, ईश्वर चौहान, संजय जाधव मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ पंण्डित दिनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के छाया चित्र पर पुष्पहार पहनाकर एवं दिप प्रज्वलन कर किया गया। पश्चात अतिथियों का भाजपाई अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुवे प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष एवं निमाड संभाग के प्रभारी श्री सुरेन्द्र जी शर्मा शिवपुरी द्वारा सर्वप्रथम अपेक्षित पदाधिकारीयों की उपस्थिती पर जानकारी प्राप्त करते हुवे अनुपस्थित पदाधिकारीयों के कारणों की जानकारी प्राप्त की। आपेन संगठन को लेकर उपस्थित पदाधिकारीयों का संगठन में कसावट लाने के लिए प्रेरित किया। वही संगठन की रचना पर संगठन को कसोटी पर कसने के लिए जिम्मेदारो को निर्णय लेने हेतु निर्देशित भी किया। आपने 36 घंटे के जिला वर्ग के लिए पंजीयन करने की बात करते हुवे संगठन की बारीकियो से पदाधिकारीयों को अवगत भी कराया। आपने बंगाल चुनाव की जीत पर बधाई देते हुवे 22 राज्यों में भाजपा एवं एनडीए सरकार होने को भाजपा की बडी उपलब्धि करार दिया।

उन्होने कहा कि बुरहानपुर जिले में 4 मोर्चा पदाधिकारीयों एवं प्रदेश में 2 पदाधिकारीयों की संगठन में नियुक्ति किसान मोर्चा के राहुल जाधव, अनुसूचित जनजाती मोर्चा पर सुभानसिह चौहान की नियुक्ति, पिछडा वर्ग मोर्चा पर राजु पाटील कि नियुक्ति पर उनका स्वागत किया। वही प्रदेश अनुसूचित जाती मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा कास्डेकर,किसान मोर्चा महामंत्री मनोज लधवे कि नियुक्ति पर उपस्थित पदाधिकारीयों ने उनका स्वागत करते हुवे कर्तलध्वनी से बधाईयां दी ।

जिले के प्रभारी श्री क्षितिज जी भटट ने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से मन की बात कार्यक्रम को जिले में शतप्रतिशत सुनेजाकर संगठन एप पर अपलोड करने हेतु जानकारी प्रदान करते हुवे मौके से अपलोड करने की बात कही। आपने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता निरंतर आमजनमानस के पास पहुचकर जनसेवा एवं शासन की योजनाओं को उनता पहुचाकर उन्हे लाभान्वीत करवाता है,वही स्वयं भी सोशल मिडिया के युग में अपडेत रहता है। उन्होने उदाहरण देते हुवे कटाक्ष किया कि आज कॉग्रेस ने समय के साथ खुद को अपडेट नही किया जिससे आज वह रसातल म2 पहुच गई है।

कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तारपुर्वक जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. मनोज जी माने द्वारा रखी गई। उन्होने बताया कि 1 से 7 तारीख तक जिले की बैठक होगी। वही 7 से 11 तक मंडल एवं 11 से 21 तक शक्ति केन्द्र तथा माह के 3 रे रविवार को मन की बात एवं बुथ लेबल की बैठक की जाना अतिआवश्यक है। आपेन सभी बैठको की जानकारी संगठन एप पर अपलोड करने की प्रक्रिया को समझाया।

कार्यक्रम को सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, प्रदेश भाजपा प्रवक्त्ता ,पूर्व मंत्री, विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस दीदी,नेपा विधायक मंजु दादु ने भी संबोधित करते हुवे उपस्थित समस्त पदाधिकारीयों का मार्गदर्शन किया। सत्ता एवं संगठन के मध्य समन्वय के साथ विश्व की सबसे बडी पार्टी भाजपा पर देश की जनता के विश्वास पर कार्यकर्ताओं द्वारा सतत कार्य करते हुवे और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया। मंच का संचालन जिला महामंत्री चिंतामन महाजन द्वारा आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री संजय जाधव द्वारा किया गया।

जनगणना 2027 के अंतर्गत शत प्रतिशत कार्य करने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का कलेक्टर ने किया सम्मान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के अंतर्गत जिले में मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना) का कार्य निरंतर प्रगति पर है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में जिलेभर में प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं चार्ज अधिकारी पूरी सक्रियता एवं जिम्मेदारी के साथ जनगणना कार्य में संलग्न हैं।

इसी क्रम में आज कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा जिले में मकान सूचीकरण कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण कर ॥स्क्रकार्य समयपूर्व पूरा करने वाले 30 प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा, समर्पण एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करना सराहनीय है।

कलेक्टर ने कहा कि जनगणना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कलेक्टर कार्यालय परिसर में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

परिसर, कार्यालय कक्षों एवं उद्यान क्षेत्र में की गई विशेष साफ-सफाई, अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया स्वच्छता का संकल्प

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में आज कलेक्टर कार्यालय परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यालय परिसर, उद्यान क्षेत्र, कार्यालय कक्षों, गलियारों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विशेष साफ-सफाई की गई।

स्वच्छता अभियान के दौरान परिसर में फैले अनुपयोगी एवं अव्यवस्थित सामान को हटाया गया तथा कार्यालयों में रखे दस्तावेजों एवं अभिलेखों को व्यवस्थित किया गया। परिसर स्थित गार्डन एवं हरित क्षेत्र में भी विशेष सफाई कर खरपतवार हटाए गए तथा स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण बनाए रखने के प्रयास किए गए। कार्यालय भवन के आसपास जलभराव एवं गंदगी की स्थिति न बने, इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

अभियान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी सहभागिता निभाई तथा स्वच्छ कार्यस्थल के महत्व को रेखांकित किया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने घर, कार्यालय एवं सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने शपथ दिलाते हुए कहा कि सभी स्वयं गंदगी नहीं करेंगे और न ही किसी अन्य को गंदगी फैलाने देंगे। साथ ही अपने परिवारजनों एवं परिचितों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित करेंगे।

विकास के कार्यों को तत्परता से करें- उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा है कि स्वीकृत सभी कार्य तत्परता से और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही बरसात से पूर्व नालों की सफाई का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जाए। उद्यानिकी मंत्री श्री कुशवाह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए यह बात कही। की समीक्षा करते हुए यह बात कही। विकास कार्यों की समीक्षा के लिये आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिकरवार, एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

ब्रह्मपुर में श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आयोजन, 11 से 17 मई तक गूंजेगी भक्ति रसधारा

आयोजन समिति ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

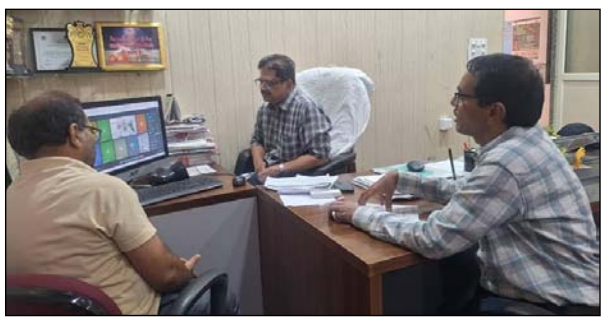

उ.मा. विद्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में श्री गणेश भागवत कथा समिति के अध्यक्ष जगदीश जी वाढे ने दी।

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर ब्रह्मपुर में सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में मालवा माटी के विख्यात कथा वाचक प्रवक्ता परम पूज्य श्री गोपालकृष्ण जी महाराज (उज्जैन) अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को कथा रसपान कराएंगे। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ है।

उक्त जानकारी शनिवार दोपहर 12 बजे श्री गणेश

उन्होंने बताया कि ज्ञानयज्ञ सप्ताह 11 मई से 17 मई 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 4 बजे से शाम 7 बजे तक आयोजित होगा। कथा स्थल श्री गणेश उ.मा.वि. प्रांगण, ब्रह्मपुर निर्धारित किया गया है। वहीं 11 मई सोमवार को सुबह 7 बजे बालाजी मंदिर महाजनपेठ से पोथी शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होगे।

आयोजन समिति ने धर्मप्रेमी एवं राष्ट्रप्रेमी नागरिकों से परिवार सहित पहुंचकर कथा में सहभागिता करने और पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। समिति का कहना है कि कथा के माध्यम से ज्ञान, भक्ति और राष्ट्रप्रेम का दिव्य संगम श्रद्धालुओं को देखने मिलेगा।

विशेष बात यह रहेगी कि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब चैनल ÷राष्ट्रधर्म भक्ति धारा÷ पर भी किया जाएगा, जिससे दूर-दराज के श्रद्धालु भी कथा का लाभ ले सकेंगे।

आयोजन का संचालन श्री गणेश भागवत कथा समिति एवं समस्त कार्यकर्ता बंधु, जिला बुरहानपुर द्वारा किया जा रहा है।

इस दौरान समिति सचिव गोपाल मुजाल्दा, देवीदास विश्वकर्मा, नरेंद्र जाधव, दिलीप इंगले, लक्ष्मण भलावी, मुकेश पूर्वे, अजित परदेशी सहित अन्य मौजूद रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

हरसिद्धि से लेकर रामघाट तक ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी

शाम होते ही 500 से ज्यादा ऑटो-ई रिक्शा पहुंच रहे हरसिद्धि और रामघाट, रहवासी यातायात पुलिस की दोहरी नीति से नाराज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हरसिद्धि मंदिर में प्रतिदिन होने वाली संध्या आरती और दीपमालिका दर्शन के दौरान पुराने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा अस्थाई आदेश जारी कर नरसिंह घाट, चारधाम मंदिर और हाटकेश्वर धर्मशाला की ओर से हरसिद्धि क्षेत्र में चौपहिया और तिपहिया वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन इसके बावजूद हर शाम बड़ी संख्या में ऑटो और ई-रिक्शा रामघाट तक पहुंच रहे हैं।

क्षेत्रीय रहवासियों का आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस स्थानीय लोगों के वाहनों को अंदर ले जाने पर सख्ती दिखाती है और हर चौराहे पर दस्तावेजों की जांच की जाती है, जबकि बाहरी ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को बिना रोक-टोक प्रवेश मिल रहा है। लोगों का कहना है कि शाम के समय करीब 500 से अधिक ऑटो और ई-रिक्शा हरसिद्धि और रामघाट क्षेत्र में पहुंच जाते हैं, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है।

रहवासियों के अनुसार धार्मिक क्षेत्र होने के कारण यहां पहले से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। ऐसे में संकरी गलियों और मार्गों पर बड़ी संख्या में तिपहिया वाहन पहुंचने से लगातार जाम की स्थिति बन रही है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया कि जब प्रशासन ने प्रतिबंध लागू किया है तो फिर इन वाहनों को प्रवेश किस आधार पर दिया जा रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि नियम सभी के लिए समान होना चाहिए। यदि प्रतिबंध लागू है तो उसका पालन ऑटो और ई-रिक्शा चालकों पर भी होना चाहिए। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि हरसिद्धि और रामघाट क्षेत्र में शाम के समय सख्ती से यातायात नियंत्रण लागू किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को राहत मिल सके।

आबकारी विभाग की कच्ची शराब बनाने के ठिकानों पर दबिश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध शराब मामलों को लेकर जिले में आबकारी विभाग टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। बीती रात टीम ने 4 गांवों में दबिश मारी। एक महिला को कच्ची शराब के साथ हिरासत में लिया, वहीं कच्ची शराब के कुछ ठिकानों को तबाह किया।

आबकारी विभाग नियंत्रण कक्ष प्रभारी मुकेश कुमार रंधा ने बताया कि सहायक आबकारी आयुक्त निधि जैन के निर्देश पर जिले में लगातार अवैध और कच्ची हाथ भट्टी से बनने वाली शराब को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में बीती रात जिले के ग्राम सिकंदरखेड़ा, इंगोरिया, खरसौद खुर्द, सिजावता और आसपास के क्षेत्रों में दबिश दी गई। ग्राम सिकंदरखेड़ा के एक मकान से झनाबाई पति अनिल भानमता 43 साल को पकड़ा गया। जिसके मकान से 20 लीटर हाथ भट्टी की शराब बरामद की गई। उक्त शराब मानव उपयोग के लिये हानिकारक थी। मामले में महिला के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में 9 मामले दर्ज किये गय। जिसमें 5 लोगों पर कार्रवाई की गई। वहीं 4 मामले अज्ञात थे। इस दौरान 40 लीटर हाथ भट्टी की शराब और 11 सौ किलोग्राम लहान जप्त कर कच्ची शराब के ठिकानों को नष्ट किया गया। सभी मामले व्रत एसआई कैलाश रूई द्वारा दर्ज किये गये है। दबिश के दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र भदौरिया, विजय मेड़ा, ममता भावेल, सुदर्शन काले, उपनिरीक्षक हिमांशु अग्रवाल, आकांक्षा गहरवाल, रानी, शुभांगी और स्टाफ मौजूद था। आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी रंधा के अनुसार अप्रैल में माह में जिले में टीम द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के साथ होटल, ढाबों पर दबिश दी गई थी। इस दौरान 142 प्रकरण दर्ज किये थे। जिसमें 97 आरोपियों की गिरफ्तारी कर 122 बल्क लीटर शराब और 3475 किलोग्राम लहान जप्त किया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराणा प्रताप की जयंती पर किया नमन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अदम्य साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अखंड समर्पण के प्रतीक 'वीर शिरोमणि' महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हल्दी घाटी की पावन धरा आज भी उनके पराक्रम, शौर्य और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा सुनाती है। महाराणा प्रताप का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्र के गौरव के लिए दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठा के साथ हर परिस्थिति में अडिग रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता सेनानी स्व. गोखले की जयंती पर किया नमन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मां भारती के अमर सपूत, महान समाज सुधारक , शिक्षाविद् और स्वतंत्रता सेनानी स्व. गोपाल कृष्ण गोखले की जयंती पर पुण्य स्मरण कर उन्हें नमन किया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. गोखले ने देश की आजादी के साथ ही शिक्षा और समाज सुधार के लिए आजीवन संघर्ष किया।

आयशर से भिड़ंत के बाद खंती में गिरी ट्रैक्टर ट्राली 1 की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार शनिवार रात में आयशर ट्रेक्टर ट्राली के बीच हुई भिड़ंत में किसान की मौत हो गई ट्रैक्टर का चालक मामूली रूप से घायल हुआ है। भिड़ंत के बाद चालक आयशर छोड़कर भाग निकला था।

इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ोतिया में रात को ट्रैक्टर ट्राली और आयशर के बीच हुई टक्कर के बाद ट्रैक्टर ट्राली सड़क मार्ग से नीचे उतरने के बाद खंती में जा गिरी थी। जिसमें सवार रतनलाल पिता राजाराम चौधरी 55 साल निवासी ग्राम असलाना ट्रेक्टर ट्राली के बीच में दब गया था। चालक आजाद को मामूली चोट लगी थी। रतनलाल को ट्रेक्टर ट्राली के बीच से निकाला जाता उससे पहले उसकी मौत हो चुकी थी। दुर्घटना के बाद रतनलाल का शव इंगोरिया पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए उज्जैन भेजा गया। रात में जानकारी लगने पर परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। शनिवार सुबह कोतवाली थाना पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान परिजनों ने बताया कि रतनलाल ग्राम असलाना के रहने वाले थे और ट्रेक्टर ट्राली में उपज लेकर बड़नगर मंडी बेचने गए थे। जहां से लौटते समय ट्रेक्टर ट्राली को पीछे से आयशर द्वारा टक्कर मारना सामने आया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार मामले की जांच इंगोरिया थाना पुलिस को सौंपी जाएगी। मृतक खेती किसानी का काम करता था।

फिर 42 डिग्री पार पहुंचा पारा, दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

11 दिन बाद फिर बढ़ी तपिश; अगले सप्ताह 43 डिग्री तक पहुंच सकता है तापमान, जरूरी काम से ही घरों से निकले लोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गर्मी ने एक बार फिर तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया, जिससे दिनभर लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय हालात ऐसे रहे कि मुख्य सड़कों पर भी सन्नाटा नजर आया और लोग धूप से बचने के लिए घरों में ही दुबके रहे।

मौसम में पिछले तीन दिनों से कुछ राहत महसूस की जा रही थी और तापमान 40 डिग्री से नीचे बना हुआ था, लेकिन अचानक दो दिन में पारा करीब तीन डिग्री बढ़ गया। शनिवार को अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले 26 अप्रैल को 42.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ था। करीब 11 दिन बाद एक बार फिर शहर भीषण गर्मी की चपेट में आ गया।

तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय बाजारों और प्रमुख मार्गों पर लोगों की आवाजाही कम दिखाई दी। जो लोग जरूरी काम से बाहर निकले, वे सिर और चेहरे को कपड़े से ढंककर तथा पानी की बोतल साथ लेकर नजर आए। दोपहर के समय सबसे ज्यादा असर मजदूर वर्ग, राहगीरों और दुपहिया वाहन चालकों पर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह भी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। आने वाले दिनों में तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच बना रह सकता है। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है।

जनगणना टीम को देखकर लोग हो रहे सतर्क, ओटीपी और टैक्स के डर से कई परिवार जानकारी देने में कर रहे हिचकिचाहट, अधिकारी बोले- मोबाइल में सेव नहीं होता डेटा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रही जनगणना के दौरान एक अलग ही तस्वीर सामने आ रही है। घर-घर पहुंच रहे जनगणना कर्मचारियों को कई जगह लोगों के सवालों और शंकाओं का सामना करना पड़ रहा है। कोई ओटीपी मांगने के डर से जानकारी देने से बच रहा है तो कई किराएदार और मकान मालिक इनकम टैक्स की कार्रवाई की आशंका में पूरी जानकारी साझा नहीं कर रहे।

जनगणना कर्मचारियों का कहना है कि लोगों के मन में कई तरह की भ्रांतियां फैल गई हैं। कुछ लोगों को लग रहा है कि मोबाइल नंबर देने पर बैंक खाते या निजी जानकारी खतरे में पड़ सकती है। वहीं किराए पर रहने वालों और मकान मालिकों को यह डर भी सता रहा है कि किरायेदारी की जानकारी कहीं टैक्स विभाग तक न पहुंच जाए। हालांकि अधिकारियों ने साफ किया है कि जनगणना पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इसमें किसी प्रकार का ओटीपी नहीं लिया जा रहा। कर्मचारियों को सिर्फ तय प्रारूप के अनुसार जानकारी एकत्र करने के निर्देश दिए गए हैं।

33 बिंदुओं पर जुटाई जा रही जानकारी- जनगणना टीम मकान और परिवार से जुड़ी करीब 33 तरह की जानकारी एकत्र कर रही है। इसमें मकान नंबर, मकान की स्थिति, उपयोग, परिवार के सदस्यों की संख्या, परिवार प्रमुख का नाम, महिला-पुरुष अनुपात, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, गंदे पानी की निकासी, बिजली कनेक्शन, इंटरनेट सुविधा, टीवी, रेडियो, मोबाइल, वाहन और अन्य सुविधाओं से जुड़ी जानकारी शामिल है। अधिकारियों के मुताबिक यह जानकारी केवल सरकारी रिकॉर्ड और योजनाओं के लिए उपयोग में लाई जाएगी। इससे भविष्य की विकास योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी।

मोबाइल में सेव नहीं होता डेटा- जनगणना विभाग के अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि कर्मचारियों द्वारा जुटाई जा रही जानकारी सीधे सरकारी सर्वर पर अपलोड होती है। यह डेटा कर्मचारियों के मोबाइल फोन में स्टोर नहीं रहता। ऐसे में मोबाइल खो जाने, चोरी होने या खराब होने की स्थिति में भी डेटा लीक होने का खतरा नहीं है। विभाग ने साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए हैं। जनगणना कार्य के लिए इस्तेमाल हो रहा एप निर्धारित समय के बाद स्वत- बंद हो जाएगा और कर्मचारियों की लॉगिन आईडी भी निष्क्रिय कर दी जाएगी।

अधिकारियों की अपील- प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जनगणना देश का महत्वपूर्ण अभियान है। कर्मचारी यदि जानकारी लेने पहुंचे तो सही और पूरी जानकारी दें, ताकि सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का सही आंकलन हो सके।

शादी के बाद मायके आई युवती ने खाया जहर, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 28 अप्रैल को हुई शादी के बाद चार दिन बाद मायके आई युवती ने रात में जहर खा लिया हालत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे रात 3 बजे युवती की मौत हो गई। शनिवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के धनवंतरी अस्पताल के पास रहने वाली प्रीति का 28 अप्रैल को कायथा में रहने वाले प्रीतम बोडाना से विवाह हुआ था। चार दिन ससुराल में रहने के बाद प्रीति मायके आ गई थी। बीती शाम को पति उससे मिलने आया था। जिसके लौट के बाद रात 12 बजे के लगभग प्रीति को मामा तूफान सिंह ने उल्टियां करते देखा उसकी हालत काफी खराब थी प्रीति को चरक अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने जहर खाने की बात कही और उपचार के लिए भर्ती किया। करीब ढाई घंटे चले उपचार के बाद रात 3 बजे प्रीति की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि प्रीति ने ऐसा कदम क्यों उठाया परिवार ने भी किसी तरह की परेशानी नहीं होने की बात कही है वही ससुराल से आए पति ने भी किसी तरह का वाद विवाद नहीं होने की बात कही है। पुलिस के अनुसार जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि प्रीति ने जहरीला पदार्थ क्यों खाया था।

सड़क चौड़ीकरण में नहीं हटेगा खड़े हनुमान मंदिर, बीच सड़क पर ही रहेगा

आसपास की दुकानें हटेंगी, दूसरे मंदिरों को पीछे शिफ्ट करने की तैयारी, निगम और प्रशासन ने शुरू की कवायद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के सबसे प्राचीन और आस्था के केंद्र माने जाने वाले खड़े हनुमान मंदिर को सड़क चौड़ीकरण के दौरान नहीं हटाया जाएगा। श्रद्धालुओं की भावनाओं को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर को यथावत रखने का फैसला किया है। अब सड़क मंदिर के दोनों ओर से निकाली जाएगी। इसके लिए आसपास बनी दुकानों और कुछ हिस्सों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। कंठाल से छत्री चौक तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण प्रोजेक्ट में कई धार्मिक स्थलों का मामला सामने आया है। पहले चर्चा थी कि खड़े हनुमान मंदिर और टकसाली गणेश मंदिर को छत्री चौक उद्यान क्षेत्र में शिफ्ट किया जाएगा, लेकिन अब प्रशासन ने रणनीति बदल दी है। अधिकारियों का मानना है कि खड़े हनुमान मंदिर शहर की आस्था का बड़ा केंद्र है, इसलिए इसे हटाना आसान नहीं होगा। इसी कारण मंदिर सड़क के बीच में ही रहेगा।

भैरव मंदिर भी पीछे खिसकाया जाएगा- निकास चौराहे पर स्थित भैरव मंदिर को भी पूरी तरह नहीं हटाया जाएगा। सड़क चौड़ी करने के लिए मंदिर को पीछे की ओर शिफ्ट करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा मार्ग पर आने वाले अन्य छोटे मंदिरों को भी पीछे सरकाने की तैयारी की जा रही है, ताकि सड़क का काम प्रभावित न हो।

दुकानों और मकानों पर चलेगी कार्रवाई- सड़क चौड़ीकरण के लिए मंदिरों के आसपास बनी दुकानों को हटाया जाएगा। कुछ मकानों के हिस्से भी अधिग्रहित किए जा सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि सड़क को पर्याप्त चौड़ाई देने के लिए यह कदम जरूरी है।

टकसाली गणेश मंदिर को लेकर भी प्रशासन असमंजस की स्थिति में है। एक प्रस्ताव यह है कि मंदिर को वर्तमान स्थान पर रखते हुए सड़क उसके आसपास से निकाली जाए। वहीं दूसरा विकल्प मंदिर को छत्री चौक उद्यान क्षेत्र में शिफ्ट करने का है।

विशेषज्ञों और नागरिकों से ली जा रही राय- महापौर मुकेश टटवाल के अनुसार धार्मिक स्थलों को शिफ्ट करने के मामले में निगम गंभीरता से काम कर रहा है। प्रशासन विशेषज्ञों और शहर के नागरिकों से भी राय ले रहा है। अंतिम फैसला जिला प्रशासन और कलेक्टर स्तर पर लिया जाएगा।

आस्था और विकास के बीच संतुलन की कोशिश- प्रशासन अब ऐसा समाधान निकालने में जुटा है, जिसमें सड़क चौड़ीकरण का काम भी पूरा हो जाए और धार्मिक भावनाएं भी आहत न हों। यही कारण है कि खड़े हनुमान मंदिर को हटाने के बजाय उसके आसपास से सड़क निकालने का मॉडल तैयार किया जा रहा है।

संभागायुक्त ने मंदसौर डीपीसी का एक माह का वेतन काटने और विभागीय जांच के निर्देश दिए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में चार विभाग के संभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने मंदसौर डीपीसी को सूचना के बाद भी बैठक में उपस्थित नही होने पर एक महीने का वेतन काटने के साथ ही विभागीय जांच के निर्देश दिए। इसी तरह देवास और आगर मालवा के सीएमएचओ का भी 15 दिन का वेतन काटने और देवास जिले के डीपीसी के बैठक में उपस्थित नही होने पर शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। संभागायुक्त श्री सिंह ने संचालित योजना में कम परफॉरमेंस देने वाले विभागों के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की। वहीं सभी विभागों के अधिकारियों को विभागीय योजना का टारगेट पूरा करने के निर्देश दिए है।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल के कलेक्टर सभागार में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और जनजातिय कार्य विभाग के संभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान रतलाम और आगर जिले को एक्सरे यूटिलाईजेशन कैम्पेन में स्थिति ठीक नही होने पर संभागायुक्त श्री सिंह ने नाराजगी जाहिर करते हुए स्थिति सुधारने की हिदायत दी। इसी तरह पोषण कीट वितरण में देवास और शाजापुर की स्थिति बेहतर रही, वहीं उज्जैन जिले के कमजोर होने पर स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। बैठक में धरती आबा जनजातिय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा के दौरान रतलाम और देवास में कम प्रतिशत होने पर संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को टारगेट पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान 6 से 14 वर्ष के बच्चों के ड्रॉप आउट की स्थिति में मंदसौर और आगर मालवा का प्रतिशत कम होने पर संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि अधिकारी देखे कि कहां कमी रही, टारगेट पूरा क्यों नही हो सका। अगली बैठक तक स्थिति सुधारें। बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा एक में प्रवेश की कार्य योजना, नामांकन में वृद्धि एवं ड्रॉप आउट में कमी, विद्यालयों में पुस्तक वितरण, मिशन अंकुर योजना, कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणाम की जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिले में कुपोषित बच्चों के टारगेट, कुपोषण से सुधार की स्थिति, आंगनवाड़ी में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के नाम दर्ज करने और आंगनवाड़ी केंद्रों को शाला परिसर में शिफ्ट करने संबंधी जानकारी दी गई। बैठक में विभाग के संभाग व जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

हर महीने के दूसरे शनिवार को विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित होगी - समीक्षा बैठक के दौरान संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी संभाग के जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक हर महीने के दूसरे शनिवार को आयोजित की जाएगी। इस दौरान जो विभाग योजनाओं में दिए गए टारगेट पूरा नही कर पाए वे सभी विभाग अगली बैठक में अपने जिले की स्थिति सुधारते हुए टारगेट के प्रतिशत बढ़ाएं।

लाठियां से हमला कर युवक की हत्या, टापरी में मिली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम सरवना में शनिवार सुबह टापरी में खून से सनी लाश मिलना सामने आया है। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का होने पर पुलिस ने जांच शुरू की है। हत्या की वजह मकान विवाद होना सामने आ रहा है। भाई पर हत्या का शक जताया जा रहा है जिसकी तलाश जारी है।

उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान ने बताया कि ग्राम सरवना की टापरी में लाश पड़ी होने की सूचना चौकीदार द्वारा शनिवार सुबह पुलिस को दी गई थी। मौके पर पहुंचने के बाद मामला हत्या का होना सामने आया। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और उसकी लाश खाट पर पड़ी हुई थी। मृतक की पहचान रतनलाल पिता रुगनाथ बागरी 40 साल के रूप में हुई। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि रात में भाई गोकुल के साथ शराब पी रहा था। भाई की तलाश करने पर वह फरार होना सामने आया जिसके चलते उसे पर हत्या की आशंका जताई गई। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर मामले की मौके पर जांच पूरी की ओर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।

मृतक के सिर पर डंडे से वार किए गए हैं जिससे उसकी मौत हुई है। ईंट से बनी कच्ची टापरी में शराब की खाली बोतले भी मिली है। लोगों से पूछताछ में पता चला है कि मृतक के 7 भाई बहन है। कच्ची टपरी के पास भी एक मकान मृतक और उसके परिवार का बना हुआ है जिसका सौदा कर दिया गया था संभवत संपत्ति विवाद में ही रतनलाल की हत्या होना प्रतीत हो रहा है फिलहाल आरोपियों की जानकारी और उनकी गिरफ्तारी नहीं होने तक कुछ भी स्पष्ट कह पाना मुश्किल होगा।

6 किमी में हर 200 मीटर पर होगा घाट पहुंचने का रास्ता

सिंहस्थ-2028 की तैयारियां तेज- 30 एंट्री-एग्जिट पॉइंट चिन्हित, श्रद्धालुओं को कम चलना पड़ेगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को विश्वस्तरीय और श्रद्धालु सुविधाओं वाला आयोजन बनाने के लिए प्रशासन अब घाटों तक सुगम पहुंच पर फोकस कर रहा है। शनिवार सुबह संभागायुक्त और कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ त्रिवेणी घाट से सांवराखेड़ी तक शिप्रा तट पर पैदल निरीक्षण किया।

करीब 6 किलोमीटर लंबे नवीन घाट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर 200 मीटर पर प्रवेश और निर्गम मार्ग विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत 30 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां से श्रद्धालु आसानी से घाट तक पहुंच सकेंगे और स्नान के बाद सुरक्षित तरीके से बाहर निकल सकेंगे। निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह व अन्य अधिकारियों ने निर्माणाधीन घाटों तक पहुंचने वाले

प्रस्तावित मार्गों का जायजा लिया और निर्देश दिए कि सभी एप्रोच रोड चौड़े, व्यवस्थित और सुगम हों। प्रशासन का फोकस इस बात पर है कि सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं को घाट तक पहुंचने में अधिक दूरी पैदल न चलना पड़े।

संभागायुक्त ने शनिमंदिर के पीछे स्थित ब्रिज से वाकणकर ब्रिज तक पूरे क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर मार्गों का चिन्हांकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि घाट पहुंच मार्गों पर टॉयलेट, चेंजिंग रूम, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं भी विकसित की जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

प्रशासन के अनुसार त्रिवेणी क्षेत्र से सिंहस्थ बायपास तक ऐसे स्थानों का चयन किया गया है, जहां भीड़ का दबाव कम रहे और श्रद्धालुओं का आवागमन व्यवस्थित बना रहे। एंट्री और एग्जिट को अलग-अलग रखने की योजना पर भी काम किया जा रहा है ताकि स्नान पर्वों पर भीड़ नियंत्रण आसान हो सके। संभागायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार सिंहस्थ-2028 को भव्य और सुव्यवस्थित बनाया जा रहा है। शिप्रा तट पर 29 किलोमीटर से अधिक लंबाई में नए घाट बनाए जा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर स्नान सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि आगे भी अन्य निर्माणाधीन घाटों का निरीक्षण कर पहुंच मार्ग तय किए जाएंगे।

कलेक्टर ने कहा कि सिंहस्थ के राजसी स्नान और पर्व स्नानों में देश-दुनिया से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए ऐसे मार्ग चिन्हित किए जा रहे हैं जहां से श्रद्धालु आसानी से घाट तक पहुंच सकें और सुरक्षित लौट सकें।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, यूडीओ सीईओ संदीप सोनी, एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौर सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सिंहस्थ घाट योजना एक नजर में -29 किमी से अधिक लंबाई में नए घाट निर्माण

6 किमी क्षेत्र में विशेष निरीक्षण

हर 200 मीटर पर एंट्री-एग्जिट पॉइंट

कुल 30 पहुंच मार्ग चिन्हित

एप्रोच रोड पर टॉयलेट और चेंजिंग रूम

भीड़ नियंत्रण के लिए अलग प्रवेश-निर्गम व्यवस्था

करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा पर प्रशासन का फोकस